...हानगर में कार्यक्रमों का तांता

...न, राज्यपाल व अन्य, झांकी (बीच में) और शोभायात्रा में जैन समुदाय के लोग.

...न महावीर के जीवन से जुड़ी ...और कई कार्यक्रम आयोजित ...दिगंबर जैन नया मंदिर से श्री ...जयंती समारोह समिति के ...न में प्रातः एक विराट ...ा निकाली गयी. शोभायात्रा ...दिगंबर जैन विद्यालय व श्री ...जैन बालिका विद्यालय के ...ाग भी शामिल थीं. ...ा नया मंदिर से शुरू होकर ...मार्गों का परिभ्रमण कर पुनः ...ती. वहां पांडुक शिला पर ...महावीर का अभिषेक हुआ.

शोभायात्रा में जैन समाज के वरिष्ठ लोगों में श्रवण कुमार जैन, राजेंद्र कुमार गंगवाल, जितेंद्र काला, भानु कुमार जैन, मुन्नालाल जैन, ललित जैन छाबड़ा, पवन नदिया, जितेंद्र गंगवाल, संजय पाटनी सक्रिय थे. जैन समाज की प्रमुख संस्था जैन जागरण संघ समिति द्वारा समिति के सचिव ललित जैन छाबड़ा के नेतृत्व में 2603 लोगों को भोजन करवाया गया. अवि जैन, सुधीर जैन, संजीव जैन, विमल जैन, नेहा जैन सहित संस्था के सैकड़ों सदस्यों द्वारा सक्रिय योगदान दिया गया. समिति के सदस्यों द्वारा स्थानीय नलिनी सेठ रोड में भगवान महावीर की मंगल आरती उतारी गयी.

रतनलाल छाबड़ा मेमोरियल संघ द्वारा गरीबों में वस्त्र और मिठाइयां बांटी गयीं. पंकज जैन, प्रदीप जैन, कमल जैन, रेखा सेठी, मंजू छाबड़ा, उर्मिला छाबड़ा, मीना जैन का सक्रिय योगदान रहा.

भगवान महावीर की शोभायात्रा में श्री दिगंबर जैन युवक समिति, पुष्पांजलि अरिहंत मंडल हावड़ा, श्री जैन परिषद, राजुल महिला मंडल बेलगछिया, जैन युवा संगठन, सुप्रभात मंडल हावड़ा, दिगंबर जैन मुमुक्षु मंडल, अनुप्रेक्षा कांकुड़गाछी, श्री पारस मंडल बेलगछिया, श्री दिगंबर जैन महिला समाज बड़ाबाजार, श्री दिगंबर जैन महिला परिषद नया मंदिर, सम्मेदशिखर चौरंगी के सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा.

जैन श्वेतांबर तेरापंथी महासभा के द्वारा भिक्षु ग्रंथागार का उद्घाटन जैन विश्व भारती के अध्यक्ष बुधमल दुगड़ द्वारा साध्वी कंचनप्रभा एवं समणी निर्देशिका लोकप्रज्ञा के सान्निध्य में आयोजित हुआ. भगवान महावीर के जीवन प्रसंगों की जीवंत प्रेरक झांकियां प्रभु महावीर का पावन संदेश का साक्षात्कार करा रही थीं. रैली की अगवानी पार्षद सुनीता झंवर ने की. महासभा के अध्यक्ष सुरेंद्रजी चोरड़िया ने स्वागत भाषण दिया. आचार्य महाप्रज्ञ, युवाचार्य महाश्रमण, साध्वी कनकप्रभा के संदेश का वाचन महासभा के महामंत्री तरुण सेठिया ने किया. इस अवसर पर ग्रंथागार की संयोजिका मंजू नाहटा, प्रधान ट्रस्टी रणजीत सिंह कोठारी, यहूदी संप्रदाय के प्रमुख प्रतिनिधि इजेकल इसाक मालेकर, तेरापंथी सभा कोलकाता के मंत्री तरुण सिंह नाहटा, खुशबू जैन भी मौजूद थीं. धन्यवाद ज्ञापन खेमचंद सेठिया ने दिया, जबकि कार्यक्रम का संचालन भंवरलाल सिंघी ने किया.

6

भगवान महावीर के उपदेश आज और भी प्रासंगिक : शाह

कोलकाता, ३ अप्रैल (नि. प्र.)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल बीरेन जे. शाह ने आज कहा कि भगवान महावीर के उपदेश आज और भी प्रासंगिक हैं। जैन संस्कृति संसद द्वारा यहां राजभवन में आयोजित भगवान महावीर जयंती समारोह में राज्यपाल ने कहा कि आतंकवाद और हिंसा के इस दौर में उनके उपदेश और कारगर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि यदि हम उनके विचारों को अपनाते हैं तो उलझी हुई गुत्थी भी सुलझ जायेगी। समारोह में अतिथि के रूप में फ्रांस के मानद कौंसुल महेन्द्र कुमार जालान, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया, श्रीचंद नाहटा, सुन्दर लाल दुगड़ उपस्थित थे। कार्यक्रम को सफल बनाने में जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष तिलोक चन्द डागा, संयोजक संदीप भूतोड़िया, समारोह अध्यक्ष बुलमल दुगड़ व अन्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही। भगवान महावीर जयंती के अवसर पर १२०, रवीन्द्र सरणी स्थित दिगम्बर जैन मंदिर से श्री महावीर जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में एक शोभायात्रा निकली। शोभायात्रा में केशरिया वस्त्र धारण कर मंगल कलश लिए सुप्रभात महिला मंडल हावड़ा (उत्तर) की महिलाएं मंगल गीत गाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर रही थीं। धन्नालाल काला, श्रवण कुमार जैन व देवेन्द्र जैन शोभायात्रा को सफल बनाने में सक्रिय थे। श्री जैनसभा के अध्यक्ष दीपचन्द नाहटा, मंत्री नवरतनमल सुराणा, श्री जैन संघ के अध्यक्ष संजय रामपुरिया, मंत्री नवरतन कोचर एवं अन्य पदाधिकारियों ने राज्यपाल श्री शाह को श्री जैन सभा का स्मृति चिन्ह भेंट किया।

सन्मार्ग,4, अप्रैल , 2004

जैन संस्कृति संसद द्वारा राजभवन में आयोजित भगवान महावीर की जयंती समारोह के अवसर पर लिए गए चित्र में राज्यपाल श्री वीरेन जे शाह, समाथ रमणी लोकप्रज्ञा जी, श्री महेन्द्र कुमार जालान, श्री बुद्धमल दुगड़, श्री शिशिर बाजोरिया, श्री सुन्दर लाल दुगड़, श्री श्रीचंद नाहटा, जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा व कार्यक्रम के संयोजक व अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी युवा शाखा के अध्यक्ष श्री संदीप भूतोड़िया। फोटो : राष्ट्रीय महानगर

अहिंसा का संदेश देते हैं भगवान महावीर : शाह

कोलकाता, 5 अप्रैल (राष्ट्रीय महानगर)। भारत देश की एक विशिष्टता रही है कि इस मुल्क में एक से बढ़ कर एक महान विभूतियों ने जन्म लिया जिसमें भगवान महावीर का नाम भी सर्वोपरि है। उनके उपदेशों को आज के युग में सबसे ज्यादा आवश्यकता है। भगवान महावीर के संदेशों का पालन हमें अपने दैनिक जीवन में करना होगा तभी उनकी जयंती मनाना सार्थक होगा। उक्त कथन है राज्यपाल श्री विरेन जे शाह का जो आज यहां राजभवन में जैन संस्कृति संसद द्वारा भगवान महावीर की जयंती पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए। राज्यपाल ने कहा कि किसी की भावना को ठेस पहुंचाना भी हिंसा है। प्राणियों के साथ सहानुभूति और प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा का संदेश है अहिंसा जो हमें भगवान महावीर ने दी है। रमणी लोकप्रज्ञाजी ने अपने आशिर्वचन में कहा कि करुणा, मैत्री अहिंसा, समानता, शोषण उक्त समाज की संरचना ही भगवान महावीर की परिकल्पना थी वह तभी सार्थक होगी जब आप उसे अपनी आंखों में आंज लेंगे। भगवान महावीर का यह अंजन विकास का पथ है। विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित श्री महेन्द्र जालान ने कहा कि भगवान महावीर हम सबको ऐसी प्रेरणा दें जिससे हम सत्य, अहिंसा, अनेकांत का पालन कर सकें। श्री सुंदरलाल दुगड़, श्री श्रीचंद नाहटा, माणक चंद सेठिया, समारोह अध्यक्ष बुद्धमल दुगड़, श्री सुरेश पाटनी व खुशबू जैन आदि ने भगवान महावीर के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हुए लोगों के समृद्धि और अर्थ के ही पीछे न भगाने पर बल दिया। धर्म और सम्प्रदाय के विभेद से दूर रहने की सलाह दी। इसके पूर्व स्वागत भाषण करते हुए समारोह के संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने जैन धर्म को एक माले में पिरोने का अनुरोध किया तथा धर्म को बांटे जाने पर दुःख प्रकट किया। जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा ने राज्यपाल के प्रति आभार प्रकट करते हुए माल्य प्रदान कर उनका स्वागत किया। राज्यपाल तथा आगत अतिथियों को विभिन्न स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया सर्वश्री पूनमचंद दुगड़, सुरेन्द्र दुगड़, देवचन्द दुगड़, धर्मचंद राखेचा, पन्नालाल बोथरा ने। कार्यक्रम का संचलन किया श्रीमती सूरज बरड़िया ने।

राष्ट्रीय महानगर,4, अप्रैल , 2004

महान विभूतियों में भगवान महावीर सर्वोपरि : राज्यपाल

जैन संस्कृति संसद द्वारा राजभवन में आयोजित भगवान महावीर की जयंती समारोह के अवसर पर लिए गए चित्र में राज्यपाल श्री वीरेन जे. शाह के साथ समणी लोकप्रज्ञाजी, श्री महेन्द्र कुमार जालान, श्री बुद्धमल दुगड़, श्री शिशिर बाजोरिया, श्री सुन्दरलाल दुगड़, श्री श्रीचन्द नाहटा, जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा व कार्यक्रम के संयोजक व अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी युवा शाखा के अध्यक्ष श्री संदीप भूतोड़िया।

-फोटो : छपते छपते

कोलकाता, 5 अप्रैल (संवाददाता)। भारत देश की एक विशिष्टता रही है कि इस मुल्क में एक से बढ़ कर एक महान विभूतियों ने जन्म लिया जिसमें भगवान महावीर का नाम भी सर्वोपरि है। उनके उपदेशों को आज के युग में सबसे ज्यादा आवश्यकता है। भगवान महावीर के संदेशों का पालन हमें अपने दैनिक जीवन में करना होगा तभी उनकी जयंती मनाना सार्थक होगा। उक्त कथन है राज्यपाल श्री वीरेन जे शाह का जो कल राजभवन में जैन संस्कृति संसद द्वारा भगवान महावीर की जयंती पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए। राज्यपाल ने कहा कि किसी की भावना को ठेस पहुंचाना भी हिंसा है। प्राणियों के साथ सहानुभूति और प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा का संदेश है अहिंसा जो हमें भगवान महावीर ने दी है। समणी लोकप्रज्ञाजी ने अपने आशिर्वचन में कहा कि करुणा, मैत्री अहिंसा, समानता, शोषण मुक्त समाज की संरचना ही भगवान महावीर की परिकल्पना थी वह तभी सार्थक होगी जब आप उसे अपनी आंखों में आंज लेंगे। भगवान महावीर का यह अंजन विकास का पथ है। विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित श्री महेन्द्र जालान ने कहा कि भगवान महावीर हम सबको ऐसी प्रेरणा दे जिससे हम सत्य अहिंसा, अनेकान्त का पालन कर सकें। समाज सिर्फ अपनी तरक्की तक ही सीमित न रहे, जियो और जीने दो कि सिद्धान्त पर अमल जरूरी है। तभी हम और मजबूत होकर निखरेंगे। श्री शिशिर बाजोरिया ने कहा कि पिछले 15 सालोंमें बहुत उलटफेर हुआ है। आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा समूचे विश्व को अपने चपेट में ले लिया है। ऐसे में भगवान महावीर के अहिंसा के पाठ की सबसे अधिक जरूरत है। श्री सुंदरलाल दुगड़, श्री श्रीचंद नाहटा, माणक चंद सेठिया, समारोह अध्यक्ष बुद्धमल दुगड़, श्री सुरेश पाटनी व खुशबू जैन आदि ने भगवान महावीर के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हुए लोगों के समृद्धि और अर्थ के ही पीछे न भागने पर बल दिया। धर्म और सम्प्रदाय के विभेद से दूर रहने की सलाह दी। इसके पूर्व स्वागत भाषण करते हुए समारोह के संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने जैन धर्म को एक माले में पिरोने का अनुरोध किया तथा धर्म को बांटे जाने पर दुख प्रकट किया। जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा ने राज्यपाल के प्रति आभार प्रकट करते हुए माल्य प्रदान कर उनका स्वागत किया। राज्यपाल तथा आगत अतिथियों को विभिन्न स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया सर्वश्री पूनमचंद दुगड़, सुरेन्द्र दुगड़, देवचन्द दुगड़, धर्मचन्द्र राखेचा, पन्नालाल बोथरा ने। कार्यक्रम का संचालन किया श्रीमती सूरज बरड़िया ने।

छपते छपते सांध्य,5, अप्रैल , 2004

महान विभूतियों में भगवान महावीर सर्वोपरि : राज्यपाल

जैन संस्कृति संसद द्वारा राजभवन में आयोजित भगवान महावीर की जयंती समारोह के अवसर पर लिए गए चित्र में राज्यपाल श्री वीरेन जे. शाह के साथ समणी लोकप्रज्ञाजी, श्री महेन्द्र कुमार जालान, श्री बुद्धमल दुगड़, श्री शिशिर बाजोरिया, श्री सुन्दरलाल दुगड़, श्री श्रीचन्द नाहटा, जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा व कार्यक्रम के संयोजक व अंतर्राष्ट्रीय मारवाड़ी युवा शाखा के अध्यक्ष श्री संदीप भूतोड़िया। फोटो : छपते छपते

कोलकाता, 4 अप्रैल (संवाददाता)। भारत देश की एक विशिष्टता रही है कि इस मुल्क में एक से बढ़ कर एक महान विभूतियों ने जन्म लिया जिसमें भगवान महावीर का नाम भी सर्वोपरि है। उनके उपदेशों की आज के युग में सबसे ज्यादा आवश्यकता है। भगवान महावीर के संदेशों का पालन हमें अपने दैनिक जीवन में करना होगा तभी उनकी जयंती मनाना सार्थक होगा। उक्त कथन है राज्यपाल श्री वीरेन जे शाह का जो कल राजभवन में जैन संस्कृति संसद द्वारा भगवान महावीर की जयंती पर आयोजित समारोह में व्यक्त किए। राज्यपाल ने कहा कि किसी की भावना को ठेस पहुंचाना भी हिंसा है। प्राणियों के साथ सहानुभूति और प्राकृतिक धरोहरों की रक्षा का संदेश है अहिंसा जो हमें भगवान महावीर ने दी है। समणी लोकप्रज्ञाजी ने अपने आशिंवचन में कहा कि करुणा, मैत्री अहिंसा, समानता, शोषण मुक्त समाज की संरचना ही भगवान महावीर की परिकल्पना थी वह तभी सार्थक होगी जब आप उसे अपनी आंखों में आंज लेंगे। भगवान महावीर का यह अंजन विकास का पथ है। विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थित श्री महेन्द्र जालान ने कहा कि भगवान महावीर हम सबको ऐसी प्रेरणा दे जिससे हम सत्य अहिंसा, अनेकान्त का पालन कर सकें। समाज सिर्फ अपनी तरक्की तक ही सीमित न रहे, जियो और जीने दो कि सिद्धान्त पर अमल जरूरी है। तभी हम और मजबूत होकर निखरेंगे। श्री शिशिर बाजोरिया ने कहा कि पिछले 15 सालों में बहुत उलटफेर हुआ है। आतंकवाद, उग्रवाद और हिंसा समूचे विश्व को अपने चपेट में ले लिया है। ऐसे में भगवान महावीर के अहिंसा के पाठ को सबसे अधिक जरूरत है। श्री सुंदरलाल दुगड़, श्री श्रीचंद नाहटा, माणक चंद सेठिया, समारोह अध्यक्ष बुद्धमल दुगड़, श्री सुरेश पाटनी व खुशबू जैन आदि ने भगवान महावीर के प्रति श्रद्धा निवेदित करते हुए लोगों के समृद्धि और अर्थ के ही पीछे न भागने पर बल दिया। धर्म और सम्प्रदाय के विभेद से दूर रहने की सलाह दी। इसके पूर्व स्वागत भाषण करते हुए समारोह के संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने जैन धर्म को एक माले में पिरोने का अनुरोध किया तथा धर्म को बांटे जाने पर दुख प्रकट किया। जैन संस्कृति संसद के अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा ने राज्यपाल के प्रति आभार प्रकट करते हुए माल्य प्रदान कर उनका स्वागत किया। राज्यपाल तथा आगत अतिथियों को विभिन्न स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया सर्वश्री पूनमचंद दुगड़, सुरेन्द्र दुगड़, देवचन्द दुगड़, धर्मचन्द राखेचा, पन्नालाल बोथरा ने। कार्यक्रम का संचालन किया श्रीमती सूरज बरड़िया ने।

छपते छपते ,5, अप्रैल , 2004

जैन संस्कृति संसद द्वारा राजभवन कोलकाता में आयोजित भगवान महावीर जयन्ती समारोह में राज्यपाल श्री वीरेन जे. शाह, समारोह अध्यक्ष श्री बुद्धमल दुगड़ (अध्यक्ष जैन विश्व भारती लाडनूं), अतिथि श्री महेन्द्र कुमार जालान एवं श्री शिशिर कुमार बाजोरिया, समणी लोक प्रज्ञाजी श्री चन्द [illegible], श्री संदीप भूतोड़िया (संयोजक), तिलोक चन्द डागा अध्यक्ष जैन संस्कृति संसद एवं सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री सुन्दर लाल दुगड़।

फोटो : महानगर।

महानगर,5, अप्रैल , 2004

सिको इलेक्ट्रोनिक्स प्रा. लिमिटेड द्वारा होटल हयात् रीजेन्सी में आयोजित एलजी इण्डस्ट्रीयल इलेक्ट्रीकल्स एवं आटोमेशन प्रोडक्टस पर सेमिनार में उद्घाटनकर्ता मोहम्मद सलीम, सांसद एवं अल्पसंख्यक विकास मंत्री, पश्चिम बंगाल सरकार, प्रधान अतिथि सुप्रसिद्ध उद्योगपति श्री शिशिर बाजोरिया, सिको ग्रुप के चेयरमैन श्री देवेन्द्र कुमार दुगड़ एवं विशिष्ट अतिथिगण श्री जे.सी. सोनी, युवा उद्योगपति श्री सन्दीप भूतोड़िया, सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री सम्पतमल बच्छावत एवं जैन संस्कृति संसद अध्यक्ष श्री तिलोकचंद डागा।

राष्ट्रीय महानगर, 15, मई, 2004

प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में नवनिर्वाचित सांसदों के अभिनंदन समारोह एवं वार्तालाप के प्रथम सत्र के अवसर पर लिए गये चित्र में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बोलपुर के सांसद व पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी। पास ही कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शिशिर बाजोरिया, यादवपुर के सांसद सुजन चक्रवर्ती, श्री तिलोकचंद डागा, प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भूतोड़िया, श्री ओम प्रकाश अश्क परिलक्षित हैं। विश्वमित्र चित्र

जनता को टिकाऊ सरकार मिले-सलीम

कोलकाता, १५ मई (नि.प्र.)। प्रभा खेतान फाउण्डेशन की ओर से नव निर्वाचित लोकसभा के सांसदों मो. सलीम (उत्तर-पूर्व), सुधांशु शील (उत्तर-पश्चिम) समिक लाहिड़ी (डायमण्ड हार्बर) स्वदेश चक्रवर्ती (हावड़ा) का अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। दिल्ली की राजनीतिक व्यस्तताओं के कारण बोलपुर से निर्वाचित सांसद सोमनाथ चटर्जी समारोह के पूर्वार्द्ध में आकर प्रस्थान कर गये। फाउण्डेशन द्वारा आमंत्रित अन्य सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्थानों के प्रतिनिधियों ने चारों सांसदों से वार्तालाप कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उनके द्वारा प्रश्न पूछे जाने पर मो. सलीम ने बताया कि मंत्रिमंडल में भागीदारी लूंगा या नहीं, इस पर वाम मोर्चा ने केंद्रीय समिति की बैठक में निर्णय लेने के बाद कह सकूंगा, लेकिन एक बात स्पष्ट कर रहा हूं कि जनता ने चाहा था कि गैर राजग सरकार केंद्र में आये। रहा प्रश्न केंद्र में कांग्रेस को सहयोग देने का यह जनसमर्थी स्थायी सरकार के गठन के लिए जरूर है। मो. सलीम ने स्पष्ट किया कि अकेले कांग्रेस पर भरोसा नहीं किया जा सकता और अधिक छोटे दलों को लेकर भी नहीं सरकार का गठन होना चाहिए। आर्थिक नीतियों पर दृष्टिपात करते हुए सलीम ने कहा कि भाजपा ने कांग्रेस की ही आर्थिक नीतियों का अनुसरण किया था। इसके हम खिलाफ थे और हैं। हमारी जनता की आकांक्षाओं, घरेलू उद्योग, कुटीर उद्योग, कृषि, निम्न वर्ग, मध्यम वर्ग, मजदूर वर्ग, बेरोजगार, महिलाएं, युवाओं की आर्थिक स्थिति सुधारने के अनुकूल आर्थिक नीतियों को हम समर्थन देने के पक्ष में है। सलीम ने जोरदार शब्दों में कहा कि हम उत्तरदायित्व से कभी नहीं भागे हैं और यही चाहते है कि जनता को टिकाऊ सरकार मिले जो बिकाऊ माल से भरी न हो। स्वदेश चक्रवर्ती ने कहा कि लोग सांसद अपने कोटे से सिर्फ अपने क्षेत्र की गैर सरकारी सांस्कृतिक व सामाजिक संस्थाओं के विकास के लिए जरूर मदद देंगे।

सुधांशु शील ने ४० वर्षों बाद उत्तर-पश्चिम में वाममोर्चा को जीताने के लिए मतदाताओं को धन्यवाद दिया। और कहा कि हमने बड़ी गलती से सीखा है। समिक लहिड़ी ने स्पष्ट किया कि वाममोर्चा अपने २६ वर्षों से जिस एजेंडा पर चल रहा है, उसी पर चलेगा। 'बंगाल उदय' के उत्तर में कहा कि यहां आईएमएफ विश्व बैंक का मॉडल नहीं चलेगा। ऐसी किसी नीति का अनुमोदन नहीं करेंगे जिनका हित केवल मल्टीनेशनल कंपनी में सीमित हो।

प्रभा खेतान फाउण्डेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया ने सांसदों का स्वागत करते हुए कहा कि हम निश्चय ही एक स्थायी केंद्रीय सरकार बनाने के लिए जागरूक हैं। शिशिर बाजोरिया ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि चौदहवीं लोकसभा में ६२ सांसद वाममोर्चा के हैं जिनमें से ३५ सांसद बंगाल के और उन ३५ सांसदों में २ महानगरी के हैं। इस अभिनंदन समारोह में धन्यवाद ज्ञापन संयुक्त संयोजक त्रिलोकचंद डागा ने किया व अन्य संयोजक राजेश बिहानी कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय रहे। इस अवसर पर पत्रकार जगत के साथ-साथ औद्योगिक घराने व बुद्धजीवियों की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। कार्यक्रम में श्री विश्वम्भर नेवर, श्री ओम प्रकाश अश्क, श्री गीतेश शर्मा, श्री संजय हरलालका, श्री प्रकाश चंडालिया, श्री सीताराम शर्मा, श्री भानीराम सुरेका, श्री मोहनलाल तुलस्यान, श्री राजेन्द्र बच्छावत, श्री मोहनलाल दुजारी आदि उपस्थित थे।

प्रभा खेतान फाउण्डेशन द्वारा आयोजित नव निर्वाचित सांसदों के अभिनंदन समारोह एवं वार्तालाप के द्वितीय सत्र के अवसर पर लिए गये चित्र में श्री तिलोक चंद डागा, प्रभा खेतान फाउण्डेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भूतोड़िया, कोलकाता उत्तर पश्चिम के सांसद श्री सुधांशु शील, कोलकाता उत्तर पूर्व के सांसद मोहम्मद सलीम, कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री शिशिर बाजोरिया, डायमंड हार्बर के सांसद समिक लाहिड़ी, हावड़ा सदर के सांसद श्री स्वदेश चक्रवर्ती व श्री राजेश बिहानी परिलक्षित हैं। विश्वमित्र चित्र

दैनिक विश्वमित्र ,16, मई, 2004

लोकसभा चुनाव में माकपा की जीत में

प्रभा खेतान फाउंडेशन के कार्यक्रम में रू-ब-रू हुए

नवनिर्वाचित सांसदों के सम्मान समारोह में सांसद सुजन चक्रवर्ती, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया, सांसद सोमनाथ चटर्जी, प्रभा

प्रभात खबर ,16, मई, 2004

कोलकाता, 15 मई : प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में माकपा के चार नवनिर्वाचित सांसद आज हिंदीभाषियों से रू-ब-रू हुए. इनमें बोलपुर के सांसद सोमनाथ चटर्जी, यादवपुर के सुजन चक्रवर्ती, कोलकाता उत्तर-पूर्व के मोहम्मद सलीम, उत्तर-पश्चिम के सुधांशु शील, डायमंड हार्बर के शमिक लाहिड़ी व हावड़ा के स्वदेश चक्रवर्ती शामिल थे. दो सत्रों में श्रोताओं के साथ वार्तालाप में इन्होंने केंद्र में कांग्रेस की सरकार को समर्थन देने, सरकार में शामिल होने, कांग्रेस से आर्थिक नीतियों पर विरोध, माकपा की वैकल्पिक आर्थिक नीति, राज्य में कांग्रेस-तृणमूल की स्थिति से लेकर चुनाव के दौरान हिंदीभाषियों की भूमिका पर खुल कर बातचीत की. सभी नेताओं ने माना कि राज्य के विकास में हिंदीभाषियों की महत्वपूर्ण भूमिका है.

सोमनाथ चटर्जी ने कहा-'लोग कहते थे कि हिंदीभाषी माकपा को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन मैंने इसे कभी नहीं माना.' सुधांशु शील ने कहा कि मुझे वहीं ज्यादा वोट मिले, जहां लोग कहते थे कि माकपा को वोट नहीं मिलते. सबसे पहले सोमनाथ चटर्जी व यादवपुर के सांसद सुजन चक्रवर्ती श्रोताओं से रू-ब-रू हुए. उन्होंने कहा कि घाटों ही नहीं, संविधान में भी धर्म-भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया गया है. कोलकाता उत्तर-पूर्व, यादवपुर, हावड़ा व दमदम से माकपा के सांसद निर्वाचित हुए हैं. यहां हिंदीभाषियों की संख्या अधिक है. यादवपुर के नवनिर्वाचित सांसद सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि हिंदी या गैर हिंदीभाषी के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता है कि वह वामविरोधी है. वह व्यक्ति पर निर्भर करता है. सांसद मो सलीम ने कहा कि केंद्र में गैर भाजपा सरकार बनेगी. इसकी आर्थिक नीति जनता के हित में होगी. उन्होंने आशंका व्यक्त की कि एक-दो माह में कोलकाता नगर निगम में फेरबदल हो सकता है. शमिक लाहिड़ी ने भी मो सलीम के तर्क को सही ठहराया. वहीं श्री शील ने जोड़ा किया कि जो गैर सरकारी सामाजिक संस्थाएं जनता के लिए काम रही हैं, उन्हें मदद जारी रखी जायेगी. इसमें किसी को चिंतित होने की जरूरत नहीं है. उन्होंने साफ कहा जो काम करेगा, उसे पैसा मिलेगा. कार्यक्रम का आयोजन संदीप भूतोड़िया व उद्योगपति शिशिर बाजोरिया ने किया था.

हिंदीभाषियों का भी है महत्वपूर्ण योगदान

माकपा के छह नवनिर्वाचित सांसदों ने स्वीकार किया

खेतान फाउंडेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया, समाजसेवी तिलोकचंद डागा, सांसद सुधांशु शील, मोहम्मद सलीम.

वाम मोर्चा के सांसदों का हुआ अभिनंदन

कोलकाता, १५ मई (जनसत्ता)। कांग्रेस की आर्थिक नीति व भाजपा की आर्थिक नीति समान होने की वजह से वाम मोर्चा का कांग्रेस के साथ मतभेद है। यदि कांग्रेस अपनी आर्थिक नीति में सुधार करेगी, तभी वाम मोर्चा केंद्र में कांग्रेस को समर्थन करेगा। वाम मोर्चा चाहता है कि केंद्र में भाजपा विरोधी सरकार बने और जनता ने इस बार सांप्रदायिकता के खिलाफ पार्टी को वोट देकर जिताया है, इसलिए जनता की भावनाओं का कद्र करते हुए वाम मोर्चा इस बार कांग्रेस को अपना समर्थन देगा। प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा शनिवार को ग्रेट ईस्टर्न होटल में नवनिर्वाचित सांसदों के सम्मान में आयोजित अभिनंदन समारोह में उपस्थित वाम मोर्चा के सांसदों ने उक्त बातें कहीं।

इस अवसर पर कोलकाता उत्तर-पूर्व लोकसभा क्षेत्र के सांसद मो. सलीम, कोलकाता उत्तर-पश्चिम संसदीय क्षेत्र के माकपा सांसद सुधांशु शील, डायमंड हार्बर के माकपा सांसद शमिक लाहिड़ी तथा हावड़ा के सांसद स्वदेश चक्रवर्ती उपस्थित थे। इस समारोह में सांसद सोमनाथ चटर्जी के भी उपस्थित होने की बात थी, किंतु दिल्ली में पार्टी की जरूरी बैठक बुलाए जाने के कारण चटर्जी इस समारोह में उपस्थित नहीं हो सके। समारोह का संचालन प्रसिद्ध समाजसेवी शिशिर बाजोरिया ने किया।

समय की कमी के कारण नेतागण अपना वक्तव्य नहीं रख पाए। केवल जनता द्वारा पूछे गए प्रश्नों का ही उत्तर देकर रह गए। समारोह चलने के दौरान एक व्यक्ति द्वारा कांग्रेस के साथ

प्रभा खेतान फाउंडेशन की ओर से नवनिर्वाचित सांसदों के सम्मान में आयोजित अभिनंदन समारोह में (बाएं से) मोहम्मद सलीम, सुधांशु शील, शमिक लाहिड़ी व स्वदेश चक्रवर्ती। फोटो : जनसत्ता

गठबंधन किए जाने के मुद्दे पर किए गए सवाल का जवाब देते हुए मो. सलीम ने कहा कि मंत्रिमंडल में शामिल होने का सिद्धांत केंद्रीय कमिटी की बैठक में तय किया जाएगा। बहरहाल, यदि कांग्रेस की नीतियां जनता के हित में हो तो हम जनता की राय को मर्यादा देते हुए कांग्रेस को जरूर समर्थन करेंगे। सामाजिक संस्थाओं को आर्थिक सहयोग देने के मुद्दे पर स्वदेश चक्रवर्ती ने कहा कि जो संस्थाएं अच्छा काम करेंगी, उसे सांसद कोटे से जरूर सहायता दी जाएगी। जीत का श्रेय किसे देते हैं? इस प्रश्न पर सुधांशु शील ने कहा कि जीत का श्रेय निश्चय ही मतदाताओं को जाता है, मगर इस बार हमने उन क्षेत्रों में भी प्रयास किया है, जहां पर हम कभी वाम-विरोधी मतदाता रहने के कारण जाते ही नहीं थे। किंतु इस बार के चुनाव में पार्टी ने निर्णय लिया था कि इस बार हम उन क्षेत्रों में भी जाएंगे, जहां के मतदाता हमें वोट नहीं देते हैं। हमने उन क्षेत्रों में प्रचार किया, वहां की समस्याओं को सुना और पाया कि उन्हीं क्षेत्रों से इस बार हमें व्यापक वोट मिला। समारोह के अंत में तिलोक चंद डागा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। संदीप भूतोड़िया, राजेश बियानी तथा श्याम मोदी की भूमिका भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सराहनीय रही।

जनसत्ता ,16, मई, 2004

प्रभा खेतान फाउण्डेशन आयोजित नव निर्वाचित सांसदों के अभिनन्दन-वार्तालाप कार्यक्रम के अवसर पर लिये गये चित्र में लोकसभा में सी.पी. आई.(एम) के नेता सोमनाथ चटर्जी, कोलकाता उत्तर पूर्व सांसद मो. सलीम, कोलकाता उत्तर पश्चिम सांसद सुधांशु शील, डायमंड हार्बर के सांसद समिक लहिड़ी, हावड़ा के सांसद स्वदेश चक्रवर्ती व जादवपुर के सांसद सुजान चक्रवर्ती, मुख्य अतिथि शिशिर बाजोरिया, कार्यक्रम के सूत्रधार फाउण्डेशन के न्यासी व अन्तरराष्ट्रीय मारवाड़ी सम्मेलन युवा शाखा के अध्यक्ष सन्दीप भूतोड़िया व संयोजक द्वय तिलोकचन्द डागा व राजेश बिहानी।

सन्मार्ग ,16, मई, 2004

न्यूनतम साझा कार्यक्रम के पक्ष में है माकपा

कोलकाता, १५ मई (न.प्र.)। माकपा न्यूनतम साझा कार्यक्रम के आधार पर कांग्रेस का समर्थन करेगी। आर्थिक नीतियां ऐसी होनी चाहिए जो निम्न व मध्यम वर्ग, किसान, श्रमिक तथा देशी कंपनियों के हित में हों। विश्व बैंक व आईएमएफ के पिछलग्गू हम नहीं बनेंगे। हम केन्द्र में एक स्थायी व टिकाऊ सरकार चाहते हैं। यह कहना है माकपा सांसद मोहम्मद सलीम, सुधांशु शील, स्वदेश चक्रवर्ती तथा समिक लाहिरी का, जो आज यहां अपने अभिनंदन कार्यक्रम में बोल रहे थे। प्रभा खेतान फाउंडेशन ने इस कार्यक्रम का आयोजन किया था। कांग्रेस नीत सरकार में शामिल होने के मुद्दे पर सलीम ने कहा कि माकपा पोलित ब्यूरो की बैठक में इस पर फैसला लिया जायेगा। उन्होंने कहा कि जनता ने जो हमें जिम्मेदारियां सौंपी हैं उससे हम पीछे नहीं हटेंगे। सरकार गठन से पहले एक साझा कार्यक्रम पर जोर देते हुए सलीम ने कहा कि हम केन्द्र में एक मजबूत व स्थायी सरकार देना चाहते हैं। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि दो साल बाद तृणमूल कांग्रेस का अस्तित्व मिट जायेगा। यहां तक कि जल्द ही कोलकाता नगर निगम में भारी फेरबदल होगा तथा कई तृणमूल पार्षद पाला बदलेंगे। शील ने अपनी कामयाबी का राज खोलते हुए कहा कि उन्होंने उन क्षेत्रों का भी दौरा किया जहां माकपा का जनाधार कमजोर था। उन्होंने आश्वासन दिया कि काम करने वाले संगठनों को धन की कमी नहीं होने दी जायेगी। सांसद लाहिरी ने कहा कि भाजपा नीत राजग सरकार ने सिर्फ चंद लोगों के हितों के लिए ही काम किया। स्वदेश चक्रवर्ती ने आर्थिक नीतियों को बदलने पर जोर दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में शिशिर बाजोरिया मौजूद थे। संदीप भूतोड़िया ने कार्यक्रम का संचालन किया व तिलोक चंद डागा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

'Left MPs will ensure stable Centre'

By Our Correspondent

Kolkata, May 15: The 35 MPs from the state are like 35 bags of cement being sent to Delhi to build a solid foundation for the central government, the newly elected Kolkata Northeast MP, Md Salim, said on Saturday.

Mr Salim, along with three newly elected MPs, Sudhansu Sil of Kolkata Northwest, Shamik Lahiri of Diamond Harbour, and Swadesh Chakraborty of Howrah, participated in an interactive session organised by Prabha Khaitan Foundation.

The audience also questioned the stability of a Congress-led government supported by arch rivals — the Left. Mr Salim said that the Left-'s slogan is - Sarkar tikao ho, bikao na ho. "We are opposed to the economic policies of the Congress and hence the support is subject to implementation of a common minimum programme," he added. He said that the Left never brought down any coalition government. "We are running a nine-party coalition successfully in the state and we will repeat the same feat at the Centre," Mr Salim said. On questions whether the Left parties tend to shrug off responsibilities when it comes to joining a

❑ Turn to Page 10

Left MPs

■ Continued from Page 9

government at the Centre, Mr Lahiri said: "Shouldering responsibility had nothing to do with joining the government. It is CPI(M) general secretary Harkishan Singh Surjeet who took initiative to form a secular government much before the declaration of results."

THE ASIAN AGE ,16, MAY, 2004

हिन्दी भाषियों में वाममोर्चा लोकप्रिय हो रहा है : सोमनाथ

कोलकाता, 15 मई (संवाददाता)। माकपा के वरिष्ठ नेता सोमनाथ चटर्जी ने कहा कि वे इस बात को नहीं मानते कि हिन्दी भाषा-भाषी वाममोर्चा का समर्थन नहीं करते और चुनाव के समय उन्हें अपना वोट नहीं देते। चटर्जी ने कहा कि वे इस बात पर पूरी तरह से यकीन करते हैं कि वाममोर्चा हिन्दीभाषियों में खासा लोकप्रिय हो रहा है।

सोमनाथ चटर्जी प्रभाखेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित नवनिर्वाचित वामपंथी सांसदों के सम्मान समारोह में बोल रहे थे। माकपा के दिग्गज के नेताओं में चर्चित सोमनाथ ने कहा कि हिन्दी भाषी हमें वोट नहीं देते इस बात को मैंने कभी स्वीकार नहीं किया है और मेरा विश्वास उस समय और भी मजबूत हो गया जब कोलकाता के हिन्दीभाषी क्षेत्रों में वामपंथी उम्मीदवारों ने इस बार विजय प्राप्त की है। इस बात ने मेरा विश्वास और भी दृढ़ कर दिया है कि हिन्दीभाषी समुदाय धर्मनिरपेक्षता के मुद्दे पर अन्य भाषा-भाषियों की तरह ही काफी जागरूक है। सोमनाथ ने आशा प्रकट करते हुए कहा कि केंद्र में बनने वाली नई सरकार अपना कार्यकाल पूरा करेगी।

उन्होंने कहा कि जनता ने हमलोगों पर विश्वास करके हमें पांच वर्षों का जनादेश दिया है और हम उन्हें निराश नहीं करेंगे। राजग की असफलता पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि वाजपेयी जैसे बड़े नेता की छवि भी भाजपा और उनके सहयोगी दलों को पराजय से बचा नहीं सकी। राजग ने देशवासियों को दिवास्वप्न दिखाया तथा खोखले नारे दिये।

करोड़ों युवकों को रोजगार देने का वायदा किया गया परन्तु काम कर रहे लोगों से उनके रोजगार छिन लिये गये। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी श्रमिकों और किसानों के हमेशा संघर्ष करती रही है और आगे भी करती रहेगी। पहली बार लोकसभा के लिए नवनिर्वाचित सांसद और राज्य सरकार के मंत्री मो. सलीम ने कहा कि किन योजनाओं को लेकर आगे बढ़ना चाहती है। वैश्वीकरण के बारे में उन्होंने कहा कि इसका फायदा बहुराष्ट्रीय

डॉ. प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित नवनिर्वाचित वामपंथी सांसदों के सम्मान समारोह में बोलते हुए माकपा के वरिष्ठ नेता सांसद सोमनाथ चटर्जी, परिलक्षित हैं सुजन चक्रवर्ती, शिशिर बाजोरिया, संदीप भुतोड़िया एवं त्रिलोकचंद डागा। फोटो : छपते छपते

गैर भाजपा सरकार को जनता ने अपना समर्थन दिया है। ऐसी स्थिति में हमारा कर्त्तव्य बनता है कि हम उन्हें स्थायी सरकार दें। कांग्रेस के साथ आर्थिक नीतियों पर अपनी पार्टी से मतभेद के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस को न्यूनतम साझा कार्यक्रम ने अपनी नीति स्पष्ट करनी होगी। सलीम ने आशा जताई कि इस मुद्दे पर आम सहमति बन जायेगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि वामपंथी दलों के समर्थन से बनने वाली नई सरकार केंद्र में अपना कार्यकाल पूरा करेगी।

उत्तर पश्चिम से चुने गये माकपा सांसद सुधांशु शील ने कहा कि कांग्रेस में शामिल होना इस बात पर निर्भर करता है कि कांग्रेस कंपनियों को ही नहीं आम आदमी तक को भी मिलना चाहिए। इस कार्यक्रम में डायमंड हार्बर के नवनिर्वाचित माकपा सांसद समीक लाहिरी यादवपुर के सुजन चक्रवर्ती तथा हावड़ा के स्वदेश चक्रवर्ती ने भी अपने विचार रखे। प्रारंभ में फाउंडेशन की ओर से शिशिर बाजोरिया ने आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फाउंडेशन प. बंगाल में हिन्दी भाषियों के व्यापक हित में कार्य कर रहा है। सांसदों के साथ आत्मीयता के साथ सीधी बातचीत उसकी उसीका अभिन्न अंग है। तिलोकचंद डागा ने स्वागत किया एवं धन्यवाद ज्ञापन किया फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भुतोड़िया।

छपते छपते ,16, मई, 2004

Jayanta Bhattacharyya

Newly-elected Left MPs of Kolkata (from left) Mohammed Salim, Sudhangshu Sil and Howrah heavyweight Swadesh Chakraborty (extreme right) celebrate their victory at a function organised by the Prabha Khaitan foundation on Saturday. The CPM leaders took the opportunity to interact with the Hindi-speaking population of the city, who they said, had voted for the Left Front in overwhelming numbers.

THE TIMES OF INDIA ,16, MAY, 2004

बंगभूमि के विकास में हिन्दीभाषियों की भूमिका अहम

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित नव निर्वाचित सांसदों के अभिनंदन-वार्तालाप कार्यक्रम के अवसर पर लिये गये चित्र में डायमंड हार्बर के सांसद सामिक लाहिड़ी, हावड़ा के सांसद स्वदेश चक्रवर्ती, यादवपुर के सांसद सुजन चक्रवर्ती, मुख्य अतिथि शिशिर बाजोरिया, सांसद सोमनाथ चटर्जी, प्रभा खेतान फाउंडेशन के न्यासी संदीप भूतोड़िया, समाजसेवी त्रिलोकचंद डागा, सांसद सुधांशु शील व मोहम्मद सलीम।

कोलकाताः प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में माकपा के छह नवनिर्वाचित सांसद हिंदीभाषियों से रू-ब-रू हुए। इनमें बोलपुर के सांसद सोमनाथ चटर्जी, यादवपुर के सुजन चक्रवर्ती, कोलकाता उत्तर-पूर्व के मोहम्मद सलीम, उत्तर-पश्चिम के सुधांशु शील, डायमंड हार्बर के शमिक लाहिड़ी व हावड़ा के स्वदेश चक्रवर्ती शामिल थे। दो सत्रों में श्रोताओं के साथ वार्तालाप में इन्होंने केंद्र में कांग्रेस की सरकार को समर्थन देने, सरकार में शामिल होने, कांग्रेस से आर्थिक नीतियों पर विरोध, माकपा की वैकल्पिक आर्थिक नीति, राज्य में कांग्रेस-तृणमूल की स्थिति से लेकर चुनाव के दौरान हिंदीभाषियों की भूमिका पर खुलकर बातचीत की। सभी नेताओं ने माना कि राज्य के विकास में हिंदीभाषियों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सोमनाथ चटर्जी ने इस अवसर पर कहा, 'लोग कहते थे कि हिंदीभाषी माकपा को पसंद नहीं करते हैं, लेकिन मैंने इसे कभी नहीं माना।' सुधांशु शील ने कहा कि मुझे वहीं ज्यादा वोट मिले, जहां लोग कहते थे कि माकपा को वोट नहीं मिलते। सबसे पहले सोमनाथ चटर्जी व यादवपुर के सांसद सुजन चक्रवर्ती श्रोताओं से रू-ब-रू हुए। उन्होंने कहा कि पार्टी ही नहीं, संविधान में भी धर्म-भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया गया। कोलकाता उत्तर-पूर्व, यादवपुर, हावड़ा व दमदम से माकपा के सांसद सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि हिंदीभाषी के आधार पर वह नहीं कहा जा सकता कि वह वामविरोधी है। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है। सांसद मो०सलीम ने कहा कि केंद्र में गैर भाजपा की सरकार बनेगी। इसकी आर्थिक नीति जनता के हित में होगी। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि एक-दो माह में कोलकाता नगर निगम में फेरबदल हो सकता है। श्रमिक लाहिड़ी ने भी मो० सलीम के तर्क को सही ठहराया। वहीं श्री शील ने वादा किया कि जो गैर सामाजिक संस्थाएं जनता के लिये काम कर रही हैं, उन्हें मदद जारी रखी जायेगी। इसमें किसी को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जो काम करेगा, उन्हें पैसा मिलेगा। कार्यक्रम का आयोजन संदीप भूतोड़िया व उद्योगपति शिशिर बाजोरिया ने किया।

उद्योगों में नयी जान फूंकी जायेगीः स्वदेश

कोलकाताः हावड़ा सदर के निर्वाचित माकपा सांसद स्वदेश चक्रवर्ती ने जनमित्र से खास मुलाकात के दौरान कहा कि बंद कल-कारखानों को खुलवाने के लिये सतत प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि नये उद्योगों का विकास भी हम चाहते हैं। इसके लिये सामूहिक प्रयास जरूरी है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में काफी संख्या में मजदूर काम करते हैं। सरकार उनके भी हितों का ध्यान रखेगी। श्री चक्रवर्ती ने साफ किया कि बेवजह किसी कारखानों को बंद नहीं होने दिया जायेगा। साथ ही उन्होंने उद्योगपतियों को भी भरोसा दिलाया कि सरकार उनके हितों को के साथ किसी को भी अनदेखी नहीं करने देगी।

17, मई जनलिपि टुडे

प्रभा खेतान फाउण्डेशन ने किया नवनिर्वाचित सांसदों का सम्मान

एक-दो माह में कोलकाता नगर निगम में होगी भारी फेरबदल : मो. सलीम

प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित नव निर्वाचित सांसदों के सम्मान समारोह में बाएं से सांसद सुजन चक्रवर्ती, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया, सांसद सोमनाथ चटर्जी फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया, समाजसेवी तिलोकचंद डागा व सांसद सुधांशु शील ।

कोलकाता, 17 मई (सेस)। प्रभा खेतान फाउंडेशन के तत्वावधान में माकपा के छह नवनिर्वाचित सांसद गत शनिवार हिंदीभाषियों से रूबरू हुए। इनमें बोलपुर से सांसद सोमनाथ चटर्जी, यादवपुर के सुजन चक्रवर्ती, कोलकाता उत्तर पूर्व के मोहम्मद सलीम, उत्तर-पश्चिम के सुधांशु शील, डायमंड हार्बर के शमिक लाहिड़ी व हावड़ा के स्वदेश चक्रवर्ती शामिल थे। दो सत्रों में श्रोताओं के साथ वार्तालाप में इन्होंने केन्द्र में कांग्रेस को सरकार को समर्थन देने, सरकार में शामिल होने, कांग्रेस से आर्थिक नीतियों पर विरोध, माकपा की वैकल्पिक आर्थिक नीति, राज्य में कांग्रेस-तृणमूल की स्थिति से लेकर चुनाव के दौरान हिंदीभाषियों की भूमिका पर खुल कर बातचीत की। सभी नेताओं ने माना कि राज्य के विकास में हिंदीभाषियोंकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

सोमनाथ चटर्जी ने कहा-लोग कहते थे कि हिंदीभाषी माकपा को पसंद नहीं करते है, लेकिन मैंने इसे कभी नहीं माना। सुधांशु शील ने कहा कि मुझे वहीं ज्यादा वोट मिले, जहां लोग कहते थे कि माकपा को वोट नहीं मिलते। सबसे पहले सोमनाथ चटर्जी व यादवपुर के सांसद सुजन चक्रवर्ती श्रोताओं से रूबरू हुए। उन्होंने कहा कि पार्टी ही नहीं, संविधान में भी धर्म-भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं किया गया है। कोलकाता उत्तर-पूर्व, यादवपुर, हावड़ा व दमदम से माकपा के सांसद निर्वाचित हुए हैं। यहां हिंदीभाषियों की संख्या अधिक है। यादवपुर के नवनिर्वाचित सांसद सुजन चक्रवर्ती ने कहा कि हिंदी या गैर हिंदीभाषी के आधार पर यह नहीं कहा जा सकता है कि वह वामविरोधी है। यह व्यक्ति पर निर्भर करता है। सांसद मो. सलीम ने कहा कि केन्द्र में गैर भाजपा सरकार बनेगी। इसकी आर्थिक नीति जनता के हित में होगी। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि एक-दो माह में कोलकाता नगर निगम में फेरबदल हो सकता है। यह पूछे जाने पर कि क्या राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव में तृणमूल-भाजपा से आपका सीधा संघर्ष होगा। उन्होंने कहा कि तब तक तृणमूल रहेगी कि नहीं, यह देखियेगा। सुधांशु शील ने वादा किया कि जो गैर सरकारी सामाजिक संस्थाएं जनता के लिए काम कर रही हैं, उन्हें मदद जारी रखी जायेगी। इसमें किसी को चिंतित होने की जरूरत नहीं है। उन्होंने साफ कहा जो काम करेगा, उसे पैसा मिलेगा।

कार्यक्रम में प्रधान अतिथि के तौर पर शिशिर बाजोरिया उपस्थित थे। ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। इस अवसर पर नव निर्वाचित सांसदों का अभिनन्दन भी किया गया। समारोह में संयोजकद्वय तिलोकचंद डागा व राजेश बिहानी सहित भारी संख्या में पत्रकार, समाज तथा संस्थाओं के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सेवासंसार, 17, मई, 2004

प्रोफेशन बन गयी है पत्रकारिता : शास्त्री

छपते-छपते के परिसंवाद कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उत्तरप्रदेश के राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री, साथ में हैं चंद्रकला पांडेय, प्रभा खेतान व अन्य (बायें). श्री शास्त्री का अभिनंदन करते हुए उद्योगपति संदीप भुतोड़िया (दायें).

कोलकाता, 29 मई : वर्तमान में पत्रकारिता मिशन के बजाय प्रोफेशन बन कर रह गयी है. आजकल समाचार पत्र सनसनीखेज समाचार प्रकाशित करने में लगे रहते हैं. यह कहना है उत्तर प्रदेश के राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री का. वह आज *छपते-छपते* हिंदी दैनिक के तत्वावधान में आयोजित एक परिसंवाद में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि वर्तमान पत्रकारिता का यह हाल है कि पत्रकार उद्योगपतियों और नेताओं से संबंध बनाने में लगे रहते हैं. उन्होंने कहा कि इस सबके बावजूद हिंदी पत्रकारिता का भविष्य उज्जवल है. गोष्ठी में कलकत्ता विश्वविद्यालय की हिंदी विभाग की प्रवक्ता व सांसद चंद्रकला पांडेय ने कहा कि पत्रकारिता का राजनीति में अहम रोल है. उन्होंने इस अवसर पर पत्रकारों को एक निश्चित मानदंड दिलाने के लिए संसद में आवाज उठाने की बात भी कही. गोष्ठी में डॉ प्रभा खेतान ने कहा कि हिंदी का पहला समाचार पत्र *उदंड मार्तंड* कोलकाता से ही प्रारंभ हुआ था. आजादी के समय पत्रकारिता एक मिशन के रूप में कार्यान्वित किया जाता था. आजादी के आंदोलन में कलम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी. उस समय कलम का लक्ष्य था देश को अंगरेजों की दासता से मुक्त कराना. आजादी के आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता ने विदेशियों के आगे कभी घुटने नहीं टेके. वर्तमान पत्रकारिता पर प्रश्न उठाते हुए उन्होंने कहा कि क्या हम आज पत्रकारिता की सेवा कर पा रहे हैं. इस समय दो तरह की पत्रकारिता काम कर रही है, जिसमें से एक ऐसी है, जो बड़े घरानों की अपरोक्ष रूप से मदद करती है. पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा खंभा बताते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को बनावटी हुई और मिथक खबरों से बचना चाहिए. कार्यक्रम के अध्यक्ष श्रीनिवास शर्मा ने पत्रकारिता के व्यावसायीकरण की भर्त्सना की. छपते-छपते के संपादक विश्वंभर नेवर ने अतिथियों का स्वागत किया. इस मौके पर उद्योगपति संदीप भुतोड़िया भी उपस्थित थे. उधर, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्मारक समिति द्वारा आयोजित एक अन्य कार्यक्रम में विष्णुकांत शास्त्री ने कहा डॉ मनींद्रनाथ चक्रवर्ती मानवता के सच्चे पुजारी थे. ऐसे लोगों की कमी हमें हमेशा खलती है. उन्होंने कहा कि श्री चक्रवर्ती मेरे लिए बड़े भाई जैसे थे. जब इस बार मैं कोलकाता आया हूं, तो उनकी कमी मुझे खल रही है. वह रसायन विज्ञान के श्रेष्ठ विद्वान थे. ऐसे लोग अपने आप में विशेष होते हैं और उनकी विशेषता हमेशा आकर्षित करती है. इस अवसर पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष तथागत राय ने कहा कि मनींद्र बाबू से मेरा व्यक्तिगत लगाव कोई खास नहीं था, फिर भी मैं उनकी विद्वता का कायल हूं. वह श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अनन्य भक्त थे. रसायन शास्त्र के विद्वान के रुप में भी वह हमेशा याद किये जायेंगे. इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री तपन सिकदर ने कहा कि मनींद्रनाथ चक्रवर्ती का चरित्र बहुआयामी था. वह एक सफल रसायन शास्त्री, बुद्धिजीवी तथा श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अनन्य भक्त थे. इस शोक सभा में अरुण सान्याल, पवित्र गुप्ता, तरुण मजूमदार एवं दिलीप चक्रवर्ती ने भी अपने विचार रखे.

प्रभात खबर, 30, मई , 2004

हिंदी पत्रकारिता का भविष्य उज्जवल : शास्त्री

कोलकाता, २९ मई (एसं)। उत्तर प्रदेश के राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री ने कहा कि देश में प्रतियोगिता के दौर में भी हिंदी पत्रकारिता का भविष्य उज्जवल है। 'हिंदी पत्रकारिता कल और आज' विषय पर आयोजित एक संगोष्ठी में शिरकत कर रहे थे। उन्होंने उद्घाटन भी किया।

उन्होंने कहा कि आजादी के शुरुआती दौर में पत्रकारिता निःस्वार्थ व देश सेवा के लिए होती थी। पत्रकार तन-मन-धन व निष्ठा से अपना काम करते थे। पर अब पत्रकारिता जीवन निर्वाह का साधन बन गई है। उन्होंने कहा कि अखबारों में संपादकीय लेखन में कोई आजादी नहीं है। अखबार मालिकों के निर्देश व नीति के मुताबिक संपादकीय लिखे जाते हैं।

'शास्त्री ने कहा कि आजादी से पहले पत्रकारिता का मकसद अंग्रेजों के षड्यंत्र को उजागर करना था, लेकिन आज विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों के जरिए पत्रकारिता को व्यापार बना दिया गया है। सनसनीखेज खबरों की तलाश के नाम पर, फैशन, महिलाओं की समस्या, अपराध जगत यौन संबंधी खबरें दी जा रही है। इससे समाज का विकास नहीं, विनाश हो रहा है। शास्त्री ने कहा कि पत्रकारिता के जरिए सच को उजागर कर समाज को सही दिशा देना ही पत्रकारिता का उद्देश्य होना चाहिए।

इस मौके पर लेखिका प्रभा खेतान ने कहा कि पहले कलम बिना स्वार्थ देश और समाज की रक्षा के लिए उठती थी। आज पत्रकारिता में सोच बदल गई है। सांसद चंद्रकला पांडेय ने कहा कि जो अच्छा है, वह अच्छा ही रहेगा। पत्रकारों को इसका ध्यान रखना होगा।

कार्यक्रम का संचालन पत्रकार विश्वंभर नेवर ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता आलोचक श्री निवास शर्मा ने की। संगोष्ठी का आयोजन 'छपते-छपते ने किया था।

जनसत्ता, 30, मई , 2004

शेखावटी के विकास में सहयोग की अपील

कोलकाता, २९ मई (न. प्र.)। शेखावटी के विकास के लिए सहयोग की अपील शेखावटी विकास परिषद के अध्यक्ष जे पी मिश्रा ने की। आज यहां उनके सम्मान में आयोजित एक समारोह में मिश्रा ने कहा कि शेखावटी के लोग कोलकाता में आये तथा यहां काफी महत्वपूर्ण कार्य किया। इन लोगों को अपने क्षेत्र के विकास की बात भी सोचनी चाहिए। मैं चाहूंगा कि शेखावटी के लोग अपनी माटी से भी जुड़ें तथा राजस्थान की परम्परा का निर्वाह करें। इस परिषद का गठन जाति, मजहब और वर्ग से ऊपर उठकर किया गया है। इस मौके पर परिषद के उपाध्यक्ष धर्म चंद जैन, सन्मार्ग के सम्पादक राम अवतार गुप्त, भानी राम सुरेका, प्रहलाद राय अग्रवाल, संदीप भूतोड़िया, तिलोक चंद डागा व अन्य ने विचार रखे। समारोह में गोविन्द सारडा, नवल जोशी, राज कुमार बोथरा व अन्य मौजूद थे।

सन्मार्ग, 30, मई , 2004

छपते छपते द्वारा आयोजित तृतीय वार्षिक हिन्दी पत्रकारिता परिसंवाद गोष्ठी

पत्रकारिता मिशन नहीं पेशा बन गयी है : शास्त्री

विशेष संवाददाता

कोलकाता, 29 मई। पूर्वी भारत के लोकप्रिय हिन्दी दैनिक छपते छपते के तत्वावधान में आयोजित परिसंवाद 'हिन्दी पत्रकारिता : कल और आज' में बोलते हुए उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आचार्य विष्णुकांत शास्त्री ने कहा कि स्वाधीनता पूर्व पत्रकारिता और खासकर हिन्दी पत्रकारिता एक जीवन व्रत था, और पत्रकारिता का यह व्रत संयम, त्याग, तपस्या तथा निष्ठा से प्रेरित था, परन्तु आज के दौर में पत्रकारिता तथा पत्रकारों में इन मूल्यों का सर्वाधिक क्षरण हुआ है। आचार्य शास्त्री ने कल और आज की पत्रकारिता की दृष्टि और दिशा में हुये परिवर्तनों को प्रभावशाली ढंग से समझाते हुए कहा कि कल की पत्रकारिता एक मिशन थी, जबकि आज यह एक पेशा बन कर रह गयी है।

उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का प्रोफेशन बनना भी उतना बुरा नहीं है, जितना इसका धनसंग्रह की मूल प्रवृत्ति पर आधारित होना। राज्यपाल ने पत्रकारिता के मूल्यों में आयी गिरावट पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा

(शेष पेज 3 पर)

हिन्दी दैनिक छपते छपते के तत्वावधान में आयोजित परिसंवाद 'हिन्दी पत्रकारिता : कल और आज' का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आचार्य विष्णुकांत शास्त्री, सांसद चंद्रकला पांडे, डॉ प्रभा खेतान, विश्वम्भर नेवर तथा श्री निवास शर्मा।

-फोटो : छपते छपते

पत्रकारिता अब मिशन नहीं...

(पेज 1 का शेषांश)

कि अब पत्रकार सेन्सेशन फैलाने वाली खबरों की खोज में है, जबकि समाचार पत्र समूहों के मालिक शासक वर्ग में अपना प्रभाव फैलाने, विज्ञापन बटोरने और धन कमाने में व्यस्त हैं, यही कारण है कि समाचार पत्रों में सम्पादकीय लिखने वाला व्यक्ति गौण हो गया है, जबकि विज्ञापन लाने वाला व्यक्ति प्रधान।

राज्यपाल महोदय ने आशा प्रकट करते हुए कहा कि इन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी हिन्दी समाचार पत्रों के लिये बेहतर सम्भावनायें हैं। उन्होंने कहा कि सर्वाधिक पाठकों की संख्यात्मक दृष्टि से देश के 10 बड़े समाचार पत्रों में प्रथम द्वितीय और छठे नम्बर पर आज हिन्दी अखबार ही है, और यह अपने आप में काफी सुखद है। शास्त्रीजी ने हिन्दी समाचार पत्रों के मालिकों तथा पत्रकारों से अपील की कि वे पत्रकारिता के जीवंतता और तेजस्विता के उन्हीं गौरवशाली मूल्यों को स्थापित करें, जिन मूल्यों के कारण इन्हें याद किया जाता रहा है।

परि संवाद में विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहीं रचनाकार डा. प्रभा खेतान ने कहा कि अंग्रेजी समाचार पत्र कार्पोरेट जगत के प्रतिनिधि के तौर पर काम कर रहे हैं, जबकि हिन्दी समाचार पत्र आज भी पाठकोन्मुखी है और इन समाचारपत्रों का पाठक भी काफी जागरूक है। डा. खेतान ने कहा कि समाचार पत्र जब मिथक की रचना करते हैं, तब उन्हें सत्तापक्ष के चाटुकारों की संज्ञा दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों को एक ब्रांड के रूप में पेश किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाचार पत्रों को एक ब्रांड के रूप में पेश किया जाना उचित नहीं है। डा. खेतान ने अपने लघु वक्तव्य में हिन्दी पत्रकारिता के गौरवशाली अतीत को रेखांकित किया।

परिसंवाद में उपस्थित अन्य विशिष्ट वक्ता सांसद चंद्रकला पाण्डेय ने कहा कि पत्रकारों की यह खास जिम्मेदारी बनती है वे अपने ही मूल्यों के प्रति निष्ठावान बने तथा दल बदलू नेताओं की तरह पेश न आयें। उन्होंने कहा कि सत्ता बदलते ही पत्रकार भी खेमा बदल देते हैं, और यह बात पत्रकारों और पत्रकारिता दोनों के लिये घातक हैं। डा. पाण्डेय ने समाचार पत्रों की रंगीन विज्ञापनों की दुनिया पर चिन्ता व्यक्त करते हुए कहा कि विज्ञापनों में नारी को एक उपभोग की वस्तु की तरह पेश किया जा रहा है। उन्होंने स्वस्थ विज्ञापन के लिये एक राष्ट्रीय नीति की जरूरत पर बल दिया।

परिसंवाद समारोह के अध्यक्ष समालोचक श्रीनिवास शर्मा ने कहा कि आज भी पत्रकारिता जनता तक पहुंचने का सबसे सशक्त माध्यम है, परन्तु आज यह अपने घोषित मूल्यों और लक्ष्यों से भटक गयी है। शर्मा जी ने कहा कि राजनीति आज जहां एक उद्योग बन गयी है वहीं पत्रकारिता एक व्यवसाय।

उन्होंने कहा कि समाजवादी व्यवस्था के पतन के बाद भूमण्डलीकरण की लहर में पत्रकारिता सर्वाधिक प्रभावित हुई है। श्री शर्मा ने समाचार पत्रों के मालिकों, सम्पादकों तथा पत्रकारों की मुनाफावृत्ति को पत्रकारिता के मूल सिद्धान्तों से समझौता बताया।

परिसंवाद समारोह का शुभारंभ आचार्य शास्त्री ने दीप प्रज्वलित कर किया। छपते छपते के सम्पादक विश्वम्भर नेवर ने हिन्दी पत्रकारिता के क्षेत्र में छपते छपते के योगदान को रेखांकित किया। परिसंवाद समारोह के अन्त में विपिन नेवर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर ग्रेट इस्टर्न होटल का बालरूम कक्ष अनेक बुद्धिजीवियों तथा विशिष्ट व्यक्तियों से खचाखच भरा हुआ था।

छपते छपते, 30, मई, 2004

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद देश के लिए बहुत जरूरी: शास्त्री

कोलकाता, २९ मई (नि. प्र.)। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एक ऐतिहासिक तथ्य है। भारत ने अपने सांस्कृतिक विरासत के तहत ही अपने आपको विकसित किया है तथा सांस्कृतिक आधारभूत के स्वरूप को छोड़ देने से देश खत्म हो जाएगा।

यह विचार उत्तर प्रदेश के राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री ने बड़ाबाजार लाइब्रेरी की तरफ से आयोजित कर्मयोगी भँवरलाल मल्लावत व्याख्यानमाला में 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' विषय पर वक्तव्य देने के दौरान प्रकट किया। उन्होंने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद को समझने से पहले संस्कृति को समझना जरूरी बताया। देश की आजादी में इस सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का एक विशेष महत्व रहने का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने स्वराज्य को रामराज्य कहा था। रूप और स्वरूप दोनों ही चीजों को अलग बताते हुए उन्होंने कहा कि रूप में परिवर्तन किया जा सकता है और यह कभी-कभी जरूरी भी होता है लेकिन स्वरूप को नहीं बदला जा सकता और न ही इसे बदलने की कोशिश करनी चाहिए। किसी भी अच्छी चीज को धारण करने की क्षमता धर्म में ही होती है। उन्होंने हर व्यक्ति को देश की संस्कृति से जुड़े रहने का आह्वान करते हुए कहा कि हमारे देश में हमेशा से ही राजनीति की अपेक्षा संस्कृति को अधिक महत्व दिया जाता है।

भँवरलाल मल्लावत व्याख्यानमाला

राजनीति में दल-बदल को वेश्या के चेहरे की तरह बताते हुए उन्होंने कहा कि देश वासी इस प्रवृति को कभी भी राष्ट्रवाद का आधार नहीं बनने देंगे। इस अवसर पर वक्तव्य देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्व क्षेत्र के सम्पर्क प्रमुख वंशीलाल सोनी ने कहा कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की भावना देश में स्थायी होगी तथा भविष्य में हमारा देश दुनिया में एक महत्वपूर्ण तथा सम्मानित स्थान पर पहुँचेगा।

उन्होंने स्वामी विवेकानन्द की भविष्यवाणी का जिक्र करते हुए कहा कि भारत एक बार फिर जगतगुरु का स्थान प्राप्त करेगा। इस अवसर पर राजस्थान सरकार के युवा व खेल मंत्री युनूस खान भी उपस्थित थे। लाइब्रेरी के अध्यक्ष विमल लाठ ने धन्यवाद ज्ञापन दिया तथा संयोजक कुसुम लूंडिया ने कार्यक्रम का संचालन किया।

हिन्दी पत्रकारिता कल और आज विषय पर आयोजित परिसंवाद का प्रदीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते उत्तर प्रदेश के राज्यपाल आचार्य विष्णुकांत शास्त्री

उपभोक्तावाद से प्रभावित हो गयी है पत्रकारिता-विष्णुकांत

कोलकाता, २९ मई (न. प्र.)। वर्तमान समय में पत्रकारिता भी उपभोक्तावाद से प्रभावित हो गयी है। आजादी के पहले जहां पत्रकारिता एक जीवन व्रत की तरह था वहीं आजकल यह आजीविका का साधन मात्र बनकर रह गयी है। 'हिन्दी पत्रकारिता कल और आज' विषय पर आयोजित एक परिचर्चा में अपने वक्तव्य के दौरान उत्तर प्रदेश के राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि पहले पत्रकारिता एक 'मिशन' थी जो अब 'प्रोफेशन' हो गया है। पाठकों को वही परोसा जा रहा है जो वे पढ़ना चाहते हैं। अधिक पैसा कमाने की ललक में आदर्श बिल्कुल गौड़ हो गया है। भूमंडलीकरण के दौर में विकसित देश पत्रकारिता को भी अपने प्रभाव में लेने की कोशिश में लगे हुए हैं। भारतीय सुन्दरियों को विश्व सौन्दर्य प्रतियोगिता की ओर आकर्षित करने के पीछे भी इनका स्वार्थ छिपा है। फिर भी इन सारी विसंगतियों से ऊबर कर समाज का मार्गदर्शन करना पत्रकारों द्वारा ही संभव है। आचार्य शास्त्री ने कहा कि बिकाऊपन को रोककर पत्रकारिता को जीवंत करने तथा समाज के विकास में अपनी भूमिका को साबित करने के लिए पत्रकारों को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं की पत्रकारिता के क्षेत्र में हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य उज्ज्वल है। आज भी देश में सर्वाधिक बिकने वाले १० समाचारपत्रों में तीन हिन्दी भाषा के हैं। दसवें स्थान पर अंग्रेजी का एक समाचार पत्र है। परिचर्चा की अध्यक्षता करते हुए श्रीनिवास शर्मा ने कहा कि यह दुर्भाग्य का विषय है कि राजनीति ने हमारे देश में उद्योग का रूप ले लिया है तथा पत्रकारिता व्यवसाय बन गयी है। आधुनिक जनतंत्र में पूंजी ने ब्रह्म तथा मुनाफा ने मोक्ष का रूप ले लिया है। इस परिचर्चा में सांसद चन्द्रकला पाण्डे ने कहा कि राजनेताओं की तरह ही पत्रकारों को 'जैसी बहे बयार पीठ तब तैसी कीजे' का अनुसरण नहीं करना चाहिए बल्कि उन्हें निष्पक्ष रूप से अपनी जिम्मेवारी का निर्वाह करना चाहिए। परिचर्चा का संचालन छपते-छपते के संपादक विश्वम्भर नेवर ने किया।

सन्मार्ग 30 मई 2004

हिन्दी पत्रकारिता का भविष्य उज्जवल है - शास्त्री

छपते-छपते के परिसंवाद कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए उत्तर प्रदेश के राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री, साथ में हैं सांसद चंद्रकला पांडेय, प्रभा खेतान व अन्य (बायें)। श्री शास्त्री का अभिनंदन करते हुए उद्योगपति संदीप भुतोड़िया (दायें)। -विश्वमित्र

कोलकाता, ३० मई (नि.प्र.)। वर्तमान में पत्रकारिता मिशन के बजाय प्रोफेशन बन कर रह गयी है, आजकल समाचार पत्र सनसनीखेज समाचार प्रकाशित करने में लगे रहते हैं। यह कहना है उत्तर प्रदेश के राज्यपाल विष्णुकांत शास्त्री का। वह छपते-छपते के तत्वावधान में आयोजित एक परिसंवाद संगोष्ठी में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान पत्रकारिता का यह हाल है कि पत्रकार उद्योगपतियों और नेताओं से संबंध बनाने में लगे रहते हैं। उन्होंने कहा कि इस सबके बावजूद हिंदी पत्रकारिता का भविष्य उज्जवल है। गोष्ठी में कलकत्ता विश्वविद्यालय की हिंदी विभाग की प्रवक्ता व सांसद चंद्रकला पंडेय ने कहा कि पत्रकारिता का राजनीति में अहम रोल है। उन्होंने इस अवसर पर पत्रकारों को एक निश्चित मानदंड दिलाने के लिए संसद में आवाज उठाने की बात भी कही। गोष्ठी में डॉ. प्रभा खेतान ने कहा कि हिंदी का पहला समाचार पत्र उदंड मार्तंड और फिर दैनिक विश्वमित्र कोलकाता से ही प्रारंभ हुआ था। आजादी के समय पत्रकारिता को एक मिशन के रूप में कार्यान्वित किया जाता था। आजादी के आंदोलन में कलम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। उस समय कलम का लक्ष्य था देश को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराना। आजादी के आंदोलन में हिंदी पत्रकारिता ने विदेशियों के आगे कभी घुटने नहीं टेके। वर्तमान पत्रकारिता पर प्रश्न उठाते हुए उन्होंने कहा कि क्या हम आज पत्रकारिता की सेवा कर पा रहे हैं। इस समय दो तरह की पत्रकारिता काम कर रही है, जिसमें से एक ऐसी है, जो बड़े घरानों की अपरोक्ष रूप से मदद करती है। पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा खंभा बताते हुए उन्होंने कहा कि पत्रकारिता को बनावटी हुई और मिथक खबरों से बचना चाहिए। कार्यक्रम के अध्यक्ष श्रीनिवास शर्मा ने पत्रकारिता के व्यावसायीकरण की भर्त्सना की। छपते-छपते के संपादक विश्वंभर नेवर ने अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर उद्योगपति संदीप भुतोड़िया भी उपस्थित थे।

दैनिक विश्वमित्र, 31, मई , 2004

सोमनाथ चटर्जी का सार्वजनिक अभिनन्दन

कोलकाता, 4 जून (संवाददाता)। विख्यात सांसद एवं सीपीएम के वरिष्ठ नेता तथा लोकसभा में सर्वसम्मति से

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सोमनाथ चटर्जी का नागरिक अभिनन्दन शनिवार 12 जून को सायं ग्रेट इस्टर्न होटल के दरबार हॉल में किया जाएगा। समारोह की अध्यक्षता विख्यात मार्क्सवादी नेता तथा प. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री श्री ज्योति बसु करेंगे तथा समारोह में प. बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष जनाब हाशिम अब्दुल हालिम मुख्य-वक्ता के रूप में उपस्थित रहेंगे।

इस समारोह का आयोजन श्री सोमनाथ चटर्जी अभिनंदन समिति कर रही है जिसकी अध्यक्षा विख्यात साहित्यकार एवं विदुषी डॉ. प्रभा खेतान हैं। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक श्री संदीप भूतोड़िया ने दी।

छपते छपते ,2,जून, 2004

ALL FOR A CAUSE: Danseuse Dona Ganguly and Mr Biman Bose at a free textbook distribution function, organised by Bharat Relief Society and Prabha Khaitan Foundation, in north Kolkata on Sunday. — The Statesman

THE STATESMAN, 7, JUNE , 2004

Dona Ganguly and Biman Bose at a book distribution programme organised by the Bharat Relief Society and Prabha Khaitan Foundation in Kolkata on Sunday.

THE TIMES OF INDIA, 7, JUNE, 2004

पाठ्य पुस्तक वितरण समारोह में बिमान, डोना ने चार चांद लगाये

कोलकाता, 6 जून (संवाददाता)। आज प्रातः माहेश्वरी सदन के सभागार में राजनीति के शिखर पुरुष बिमान बोस, चेयरमैन वाममोर्चा और सुप्रसिद्ध नृत्यांगना व क्रिकेट के सुपर स्टार सौरभ गांगुली की पत्नी डोना की उपस्थिति में गरीब छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें दी गई। इसका आयोजन सुपरिचित जन सेवी संस्था भारत रिलीफ सोसाइटी ने प्रभा खेतान फाउंडेशन के साथ मिलकर किया था। समारोह में युवा उद्यमी शिशिर बाजोरिया एवं संदीप भुतोड़िया बतौर विशिष्ट अतिथि उपस्थित थे। सोसाइटी के अध्यक्ष चुन्नीलाल सोमानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

सोसाइटी के महासचिव विश्वम्भर नेवर ने संस्था की लोक कल्याण मूलक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन नाथूराम गुप्ता ने किया।

वाममोर्चा के चेयरमैन ने अपने उद्‌घाटन भाषण में कहा कि वाममोर्चा सरकार को शिक्षा के क्षेत्र में जितना कार्य करना चाहिये था, उतना नहीं किया गया, हालांकि राज्य में 70.22 प्रतिशत साक्षरता है जिसमें 7 प्रतिशत वृद्धि हुई है। श्री बोस ने कहा कि शिक्षण संस्थायें खुलनी चाहिये और इस कार्य में राज्य सरकार हरसंभव सहायता करेगी। श्री बोस ने कहा कि पाठ्य पुस्तकों का वितरण एक प्रशंसनीय कार्य है किन्तु शैक्षणिक समस्याओं के समाधान हेतु और अधिक कार्य करने की आवश्यकता है। श्रीमती डोना गांगुली ने कहा कि शिक्षा दान के इस तरह के कार्यक्रम में शामिल होकर वे बहुत खुश हैं। पिछले साल के इस कार्यक्रम में नहीं आ सकी इसका उन्हें सख्त अफसोस है।

भारत रिलीफ सोसाइटी व प्रभा खेतान फाउंडेशन द्वारा आयोजित पाठ्य पुस्तक वितरण समारोह में (बायें) डोना गांगुली, (दायें) वाममोर्चा के चेयरमैन बिमान बोस एवं बीच में संदीप भुतोड़िया, जगदीशचन्द्र मूंधड़ा एवं चिरंजीलाल अगरवाल। -फोटो : छपते छपते

सोसाइटी की ओर से एक हजार गरीब छात्र-छात्राओं को पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई। दो वर्षों से प्रभा खेतान फाउंडेशन ने भी इस कार्यक्रम में सोसाइटी से हाथ मिलाया है। तबसे यह कार्यक्रम वृहत् रूप में किया जा रहा है। पुस्तक वितरण विभाग के सचिव नाथूराम गुप्ता ने कहा कि इस बार कई स्कूली पुस्तकें नहीं मिलने, कुछ स्कूलों में अभी तक बुक लिस्ट नहीं दिये जाने के कारण बहुत मुश्किलें हुई हैं। सोसाइटी पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक के छात्र-छात्राओं को उपकृत करती हैं। यह सेवा हिन्दी, बंगला और उर्दू माध्यम के छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध है।

कार्यक्रम में साधुराम बंसल, परमानन्द गोयल, चिरंजीलाल अगरवाल, जगदीश चन्द्र मूंधड़ा, राम पाल सोनी भी उपस्थित थे। राम गोपाल गट्टानी, लालचंद सेन, ब्रहादत ओझा, गणेश पेड़ीवाल, सुरेन्द्र कुमार सोमानी, बृजकुमार बलदेवा, राजेश पांडे, प्रमोद बैद, चेरी बैद, शिवरतन फोगला, गोपीकिशन कोठारी, रामचन्द्र गोस्वामी, सुभाष गोयनका, बालकृष्ण माहेश्वरी आदि कार्यकर्ताओं के प्रयास से कार्यक्रम बहुत सफल रहा।

छपते छपते, 7, जून, 2004

COMRADES FOR A CAUSE

Indian cricket's first lady and a political bigwig shared the dais on Sunday morning for the cause of under-privileged children. While Left Front chairman Biman Bose inaugurated the function to distribute free textbooks at Maheshwari Sadan, organised by Bharat Relief Society and Prabha Khaitan Foundation, Dona Ganguly presided as chief guest. Picture by Aranya Sen

THE TELEGRAPH, 7, JUNE , 2004

शिक्षा के क्षेत्र में निजी क्षेत्रों की भागीदारी का स्वागत करेगी सरकार : विमान बोस

कोलकाता, ६ जून (एसं)। वाम मोर्चा के चेयरमैन विमान बोस ने कहा कि राज्य में शिक्षा के विकास के लिए स्कूलों का जाल बिछाना होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के विकास के क्षेत्र में निजी क्षेत्रों की भागीदारी का स्वागत करेगी। बोस ने रविवार को भारत लिलीफ सोसाइटी व अन्य खेतान फाउंडेशन की ओर से राइटर्स सदन में आयोजित मुफ्त पुस्तक वितरण समारोह में कहा कि राज्य में साक्षरता की दर बढ़ी है। यह दर ६९.२२ प्रतिशत से बढ़कर ७०.२२ प्रतिशत हो गई है। उन्होंने माना कि पश्चिम बंगाल में शिक्षा के क्षेत्र में जितना काम होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा कि राज्य में पूर्ण साक्षरता के लिए स्वयंसेवी संगठनों से आगे आने की अपील की। बोस ने कहा कि राज्य में साक्षरता बढ़ाने के लिए गरीब तबके के छात्रों को सहयोग देना जरूरी है, क्योंकि जरूरतमंद छात्र अर्थाभाव के कारण शिक्षा से वंचित हो जाते हैं।

वाममोर्चा के चेयरमैन विमान बोस (दाएं) रविवार को आयोजित पुस्तक वितरण समारोह में एक स्कूली छात्र को किताब देते हुए पास में हैं नृत्यांगना डोना गांगुली। फोटो : जनसत्ता

ऐसे छात्रों के लिए किताब, कापी, कलम, पेंसिल जरूरी है। उन्होंने कहा कि कई गरीब परिवारों के बच्चे अर्थाभाव के कारण शिक्षा नहीं ले पाते हैं। उनके लिए किसी संस्था या राज्य सरकार की ओर से मुफ्त शिक्षा का इंतजाम किया जाए तो गरीब छात्र शिक्षा से जुड़ने लगेंगे।

इस मौके पर नृत्यांगना डोना गांगुली ने कहा कि शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए गरीब छात्रों को सहयोग करना जरूरी है। राज्य में गरीब छात्रों की संख्या ज्यादा है। भारत लिलीफ सोसाइटी के महासचिव व पत्रकार विश्वंभर नेवर ने कहा कि कोलकाता व उसके आसपास के इलाकों से करीब एक हजार छात्र-छात्राओं को मुफ्त पुस्तक दिया गया। इस मौके पर उद्योगपति शिशिर बाजोरिया, फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया व सोसाइटी के कोषाध्यक्ष जगदीश चंद्र मूंधड़ा, नाथू राम गुप्ता व सोसाइटी के संयोजक लालचंद सेन ने भी अपने विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन सोसाइटी के अध्यक्ष चुन्नीलाल सोमानी ने किया।

जनसत्ता, 7, जून, 2004

भारत रिलीफ सोसाइटी एवम् प्रभा खेतान फाउन्डेशन के तत्वावधान में आयोजित पुस्तक वितरण समारोह के अवसर पर लिए गए चित्र में प्रभा खेतान फाउन्डेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भूतोड़िया, समारोह की मुख्य अतिथि श्रीमती डोना गांगुली (भारतीय क्रिकेट टीम के अधिनायक श्री सौरभ गांगुली की पत्नी), वाममोर्चा के चेयरमैन श्री विमान बोस व उद्योगपति श्री शिशिर बाजोरिया। *- विश्वमित्र चित्र*

शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है प्रभा खेतान फाउन्डेशन - विमान बोस

कोलकाता, ६ जून (नि.प्र.)। पुस्तकें बांटना अच्छा काम है लेकिन उन पुस्तकों के अध्ययन के लिए समय निकालना उससे भी अच्छा कार्य है। इसके लिए अभिभावकों को सक्रिय रहना होगा। प्रभा खेतान फाउन्डेशन इस दिशा में जो कार्य कर रहा है वह सराहनीय है। उक्त कथन है माकपा के चेयरमैन श्री विमान बोस का जो आज यहां भारत रिलीफ सोसाइटी तथा प्रभा खेतान फाउन्डेशन की ओर से आयोजित पुस्तक वितरण समारोह में व्यक्त किए। श्री बोस ने कहा कि आज बंगाल में ७०.१२ प्रतिशत तक लोग साक्षर हो पाए हैं जबकि पिछले वर्ष यह संख्या ६९.२२ प्रतिशत थी। श्री बोस ने कहा कि बिना लोगों के सहयोग से शिक्षा को बढ़ावा नहीं मिल सकता। इसके लिए और अधिक स्कूलों की आवश्यकता है। सरकार अपने अनुसार इसमें गति प्रदान कर रही है फिर भी सामजिक लोगों को इसके लिए और आगे आना होगा। आपने कहा कि मुफ्त में शिक्षा के प्रावधान को बढ़ावा दिया जाएगा। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीमती डोना गांगुली व श्री शिशिर बाजोरिया ने कहा कि शिक्षा को बढ़ावा देना हर सामाजिक व्यक्ति का कर्त्तव्य है। सिर्फ नहान कहने या चमकने जैसे स्लेगन से काम नहीं चलेगा। इस पर अमल करना होगा। बेरोजगारी और उग्रवाद दोनों पर काबू पाया जा सकता है। प्रभा खेतान फाउन्डेशन के ट्रस्टी श्री संदीप भूतोड़िया ने कहा कि सेवा की गंगा में कुछ गोते लगाने की कोशिश कर रहा प्रभा खेतान फाउंडेशन आपने-कहा कि महानगर में सेवा भावी संस्थाओं के जंगल में प्रभा खेतान फाउंडेशन हर को शिक्षा का ध्येय लेकर निकला है और यह वहीं थमेगा जब देश का हर व्यक्ति साक्षर हो जाएगा। इसके पूर्व सोसाइटी के सचिव श्री विश्वम्भर नेवर ने संस्था के गतिविधि पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सोसाइटी अपने कार्यकर्त्ताओं की बदौलत आज अपने सीमित वर्षों में इस मुकाम पर पहुंची है। आज हम एक हजार छात्रों को पुस्तकें प्रदान कर रहे हैं। धन्यवाद ज्ञापन सोसाइटी के अध्यक्ष श्री चुन्नीलाल सोमानी ने दिया। इस अवसर पर साधुराम बंसल, परमानंद गोयल, चिरंजीलाल अग्रवाल, बाबूलाल मूंधड़ा, पार्षद शमीम अनवर आदि उपस्थित थे।

दैनिक विश्वमित्र, 7, जून, 2004

बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा दी जानी चाहिए : विमान बोस

बच्चे को पुस्तक देते विमान बोस व डोना गांगुली. साथ में प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया व अन्य (बायें). किताबें लेने आये बच्चों के बीच डोना गांगुली (दायें).

डोना गांगुली ने बच्चों में बांटी पुस्तकें

संवाददाता

कोलकाता, 6 जून : पश्चिम बंगाल में साक्षरता दर 70 प्रतिशत तक पहुंच गयी है. इसके बावजूद अभी भी काफी बच्चे विद्यालय नहीं जाते. यह कहना है वाममोरचा के अध्यक्ष विमान बोस का. वह आज भारत रिलीफ सोसाइटी व प्रभा खेतान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुस्तक वितरण समारोह में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि नि:शुल्क पुस्तक वितरण एक अच्छा कार्य है, पर गरीब छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था भी होनी चाहिए. इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सौरभ गांगुली की पत्नी और विख्यात नृत्यांगना डोना गांगुली ने बच्चों में पुस्तकें वितरित कीं एवं पाठ्य पुस्तक वितरण जैसे कार्यक्रमों के आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं दीं. भारत रिलीफ सोसायटी के प्रधान सचिव विश्वंभर नेवर ने कहा कि संस्था की ओर से गरीब बच्चों को गत 19 वर्षों से नि:शुल्क पुस्तकें प्रदान की जा रही हैं. इस वर्ष संस्था की ओर से करीब एक हजार छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क पुस्तकें दी जायेंगी. वहीं गत वर्ष से नौवीं और 10वीं कक्षा के छात्रों के लिए नि:शुल्क कोचिंग केंद्र की भी व्यवस्था की गयी है. श्री नेवर ने कहा कि भारत रिलीफ सोसायटी समाजसेवी संस्था है. छात्रों में नि:शुल्क पुस्तक वितरण के अलावा असहाय लोगों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा व्यवस्था भी की गयी है. संस्था के अपने दो चलायमान अस्पताल हैं, जहां नि:शुल्क चिकित्सा की जाती है. इस अवसर पर प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया, उपेन्द्रपति शिशिर बाजोरिया समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे. समारोह के सफल संयोजन के लिए लालचंद सेन, रामगोपाल रुकानी व प्रमोद को सम्मानित किया गया. धन्यवाद ज्ञापन चुन्नीलाल सोमानी ने किया.

प्रभात खबर, 7 जून, 2004

विमान ने शिक्षा के प्रसार हेतु सहयोग का आह्वान किया

कोलकाता, ६ जून (न.प्र.)। वाम मोर्चा के चेयरमैन विमान बोस ने समाज के सभी वर्ग के लोगों से आह्वान किया है कि वे शिक्षा के प्रसार के लिए सहयोग हेतु आगे आयें। अखिल भारत रिलीफ सोसाइटी और प्रभा खेतान फाउंडेशन के निःशुल्क पुस्तक वितरण समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से ही शिक्षा के प्रसार में वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में साक्षरता की दर ६९.२२ प्रतिशत से बढ़ कर ७०.२२ प्रतिशत हो गयी है,लेकिन अभी भी काफी संख्या में बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे हैं। इन बच्चों को स्कूलों में पहुंचाना एक महत्वपूर्ण कार्य है। इसमें सभी के सहयोग की जरूरत है। इस अवसर पर डोना गांगुली, संदीप भुतोड़िया, विश्वम्भर नेवर, शिशिर बाजोरिया आदि ने अपने विचार रखे। आयोजकों ने बताया कि १९ वर्ष पहले चार सौ बच्चों को पुस्तक देने का कार्य शुरू किया गया था। आज के कार्यक्रम में १००० बच्चों को पाठ्य पुस्तकें दी जायेंगी। सोसाइटी माध्यमिक के बच्चों के लिए निःशुल्क कोचिंग की भी व्यवस्था करती है।

भारत रिलीफ सोसाइटी और प्रभा खेतान फाउण्डेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित समारोह में एक जरूरतमंद किशोरी को पुस्तकें देते विमान बोस और डोना गांगुली

सन्मार्ग, 7 जून, 2004

गरीब छात्रों के लिए नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए : विमान बोस

कोलकाता, ८ जून (सेस)। प. बंगाल में साक्षरता दर ७० प्रतिशत तक पहुंच गयी है, इसके बावजूद अभी भी काफी बच्चे विद्यालय नहीं जाते। यह कहना है वाममोर्चा के अध्यक्ष विमान बोस का। वह गत रविवार को भारत रिलीफ सोसाइटी व प्रभा खेतान फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित पुस्तक वितरण समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि नि:शुल्क पुस्तक वितरण एक अच्छा कार्य है, पर गरीब छात्र-छात्राओं के लिए नि:शुल्क शिक्षा की व्यवस्था भी होनी चाहिए। इस अवसर पर भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सौरभ गांगुली की पत्नी और विख्यात नृत्यांगना डोना गांगुली ने बच्चों में पुस्तकें वितरित की। भारत रिलीफ सोसाइटी के प्रधान सचिव विश्वंभर नेवर ने कहा कि संस्था की ओर से गरीब बच्चों को गत १९ वर्षों से नि:शुल्क पुस्तकें प्रदान की जा रही है। इस वर्ष संस्था की ओर से करीब एक हजार छात्र-छात्राओं को पुस्तकें दी जायेंगी। वहीं गत वर्ष से नौवीं और १०वीं कक्षा के छात्रों के लिए नि:शुल्क कोचिंग केंद्र की भी व्यवस्था की गयी है। श्री नेवर ने कहा कि भारत रिलीफ सोसायटी समाजसेवी संस्था है। छात्रों में नि:शुल्क पुस्तक वितरण के अलावा असहाय लोगों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा व्यवस्था भी की गयी है। संस्था के अपने दो चलायमान अस्पताल हैं, जहां नि:शुल्क चिकित्सा की जाती है। इस अवसर पर प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया, उद्योगपति शिशिर बाजोरिया समेत कई लोग उपस्थित थे। समारोह के सफल संयोजन के लिए लालचंद सेन, रामगोपाल रुकतानी व प्रमोद को सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन चुन्नीलाल सोमानी ने किया।

बच्चों को पुस्तक देते विमान बोस व डोना गांगुली। साथ में प्रभा खेतान फाउंडेशन के ट्रस्टी संदीप भूतोड़िया, समाजसेवी चिरंजीलाल अग्रवाल व अन्य।

सेवासंसार , 8, जून , 2004

Somnath felicitated

One hundred and one organisations cutting across social, community and religions barriers felicitated Somnath Chatterjee, first Marxist Speaker of the Lok Sabha with mementos ranging from garlands to a turban and a sword. Somnath Chatterjee was overwhelmed by the feelings of such a variety of people. He put the turban on but refused to wield the sword. The function was organised by Sisir Bajoria who highlighted the unity in diversity in the country. Each zone of India was represented.

Somnath garlanded as Jyoti Basu applauds.

Former West Bengal Chief Minister Jyoti Basu was hugely delighted with the reception to Somnath Chatterjee. Although a Marxist, as Speaker of the Lok Sabha, Chatterjee will have to observe neutrality, sometimes leaning a little to the Opposition. Going into the background, Basu said that the CPI (M) politburo had decided to make Chatterjee leader of the parliamentary party. But when a request came from Sonia Gandhi, it agreed to release him to hold the high office. What made him particularly happy was that the BJP also supported Chatterjee's appointment. Small wonder for last year Somnath Chatterjee was designated as the best parliamentarian.

Basu said that the UPA government had accepted a lot of the Left's suggestions and that it would agree to accept more in the next few days. He informed that the Left parties were about to form a co-ordination Committee which would maintain day-to-day interaction with the committee of the UPA in monitoring the implementation of the Centre's CMP. Basu also praised Somnath Chatterjee for his work as chairman of the WBIDC and his contribution to Santiniketan development which showed his involvement with his constituency, Bolpur. That is what brought him close to industrialists, businessmen and even religious people. He complimented Hashim Abdul Halim, Speaker, West Bengal Assembly, as the best Speaker in the world who would always be ready with advice for Chatterjee.

Hashim Abdul Halim spoke of his long association with Chatterjee in the trade union movement and the CPI (M) State committee. He called Somnath Chatterjee's appointment as Speaker of the Lok Sabha a watershed decision in the fight for democracy and against communalism. Somnath Chatterjee has had a successful tenure in the Lok Sabha and should make an excellent Speaker.

Somnath Chatterjee expressed his gratitude to the organisers. The Speaker's role was a stormy one and his first few days had not been exactly plain sailing. He had of course Hashim Abdul Halim to turn to, the longest serving Speaker of any legislature. He was determined to seek the help of all parties to ensure good parliamentary conduct. "It is the obligation of all the representatives to see that the people do not lose faith in us", Chatterjee said. At a dinner hosted in his honour by BNCCI, Somnath Chatterjee said West Bengal was already numero uno in many industries and hoped it would soon be numero uno in the whole industrial sector.

—BE Kol

BUSINESS ECONOMICS . 1B. JUNE. 2004

MAHARAJA OF MASSES: Lok Sabha Speaker Somnath Chatterjee during his felicitation at a city hotel on Saturday. ❑ AA

Somnath deluged on Bash Saturday

BY OUR SPECIAL CORRESPONDENT

Kolkata, June 12: It was clearly Somnath Chatterjee's day. The first Left Speaker of the Lok Sabha, the man of more than six-feet frame, found himself opaqued by countless garlands and gifts. Even for a heavyweight Marxist, a garland weighing 15 kg was quite a load. "Now you can open a gift shop," Assembly Speaker Hashim Abdul Halim said.

The Durbar Hall of Great Eastern Hotel was the venue of Mr Chatterjee's felicitation hosted by the Shri Somnath Chatterjee Felicitation Committee, a "consortium" of 101 organisations, mainly representing the Hindi-speaking communities of the traditionally cosmopolitan Kolkata.

Chatterjee's gift kitty was a fabulous assortment — rose and saffron from Kashmir, a turban from Rajasthan, a *gamkha* from Bengal, a sword from Punjab, a 15-kg garland from Tamil Nadu, a coconut from Kerala, a cardamom garland from Andhra Pradesh, a pearl necklace from Madhya Pradesh and a stole from Gujarat.

Mr Chatterjee, who has an enviable reputation in parliamentary debates and discourses, was in his elements. Taking the sword in his hand at the request of the press photographers, he commented with a smile: "You know it is illegal to brandish a sword in a public place."

Even Jyoti Basu, the "never-smiling statesman" failed to conceal his grin.

Expressing happiness over Mr Chatterjee's appointment as the Speaker, the former chief minister said: "We had never imagined that he would become the Speaker till we received Sonia

❑ Turn to Page 10

THE ASIAN AGE, 13. JUNE. 2004

Somnath Chatterjee at a ceremony in Calcutta on Saturday organised to felicitate him on being appointed Speaker.
Picture by Ananya Sen

TELEGRAPH, 13,JUNE, 2004

ANOTHER FEATHER IN HIS CAP: Somnath Chatterjee adjusts his crown at a felicitation ceremony in the city on Saturday.

SUBHANKAR CHAKRABORTY

HINDUSTAN TIMES, 13. JUNE, 2004

Comrade Somnath pampered by city trading fraternity

TIMES NEWS NETWORK

Kolkata: For a change Somnath Chatterjee presided over a house which was in united in his praise. As a result the normally staid Chatterjee found himself at the centre of a lot of colour and attention on Saturday.

At a felicitation ceremony organised by social, cultural and business organisations, the Lok Sabha Speaker was showered with gifts from representatives of various communities. And at one point the genteel Bengali barrister was seen sporting a Rajasthani designer turban at the insistence of his Marwari admirers.

If Chatterjee's Bengali fanclub urged him to accept a conch, the Tamilians congratulated him with a giant floral garland. Members of the Malayali community had come armed with a garland made of spices. The bemused Speaker recieved each gift, including a sword from the Sikhs with solemn gratitude.

Chatterjee was visibly relieved when long time comrade and peer Jyoti Basu draped a shawl around him and West Bengal assembly speaker H.A. Halim presented him with the replica of an Ashoka pillar made of sandalwood. Both the items however came from the organisers. The gift show over, it was time for various organisations, numbering actually 101, to felicitate Chatterjee. A tired Chatterjee had to be aided by a member of the felicitation committee to wipe floral petals from his shoulders. Chatterjee himself did not share the enthusiasm of the organisers. "The first four days of performance in the Lok Sabha has not been very encouraging," he said, possibly wearied after the tumultuous o opening days as Speaker. He welcomed suggestions from his comrade, West Bengal assembly speaker on how to control unruly members in a legislature. The communist Speaker thought parliamentary democracy was an excellent system which must be strengthened.

Somnath Chatterjee sports a traditional turban

TIMES OF INDIA, 13, JUNE, 2004

Mr Somnath Chatterjee being felicilated at a city hotel on Saturday. — The Statesman

THE STATESMAN, 13, JUNE, 2004

देश का भविष्य लोकतंत्र में ही सुरक्षित : सोमनाथ

■ वामपंथी दलों की सभी मांगें साझा न्यूनतम कार्यक्रम में शामिल नहीं : ज्योति

■ कोलकाता के ग्रेट इस्टर्न होटल में लोस अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी के सम्मान में आयोजित समारोह में बसु व अन्य

जागरण ब्यूरो, कोलकाता

लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने कहा कि वह अपने संसदीय जीवन के अनुभव के आधार पर संसद को संचालित करेंगे। वह लंबे समय तक संसद में विपक्ष की भूमिका में रहे हैं। सत्ता पक्ष और विपक्ष की स्थिति को सही ढंग से समझते हैं। उन्होंने कहा कि देश में गरीबी अभी भी कायम है। देश में लोकतंत्र के सिवा कोई विकल्प नहीं है। देश का भविष्य लोकतंत्र में ही सुरक्षित है। श्री चटर्जी शनिवार को ग्रेट इस्टर्न होटल में 101 संस्थाओं द्वारा आयोजित अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि समस्याओं से निपटने के लिए प्रतिबद्धता जरूरी है। श्री चटर्जी ने कहा कि वह पक्ष और विपक्ष को एक नजर से देखते हुए निष्पक्ष ढंग से संसद को संचालित करेंगे। माकपा के वयोवृद्ध नेता व राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने इस मौके पर कहा कि मौजूदा हालात में राजनीति में काफी जटिलता है। वाममोर्चा के सभी कार्यक्रमों को साझा न्यूनतम कार्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है। वामपंथी दलों की समन्वय समिति यूपीए के सभी कार्यों पर नजर रखेगी। जटिल परिस्थितियों में केंद्र सरकार को समर्थन करना पड़ रहा है। खुशी की बात यह है कि केंद्र में गैरसांप्रदायिक सरकार बनाने में वामपंथी दलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सोमनाथ चटर्जी को सर्वोत्तम सांसद की ■ शेष पृष्ठ 2 पर

■ लोस अध्यक्ष के सम्मान में समारोह आयोजित

दैनिक जागरण, 13, जून , 2004

लोकसभा अध्यक्ष चुने जाने पर सार्वजनिक संस्थाओं की ओर से सोमनाथ चटर्जी के सम्मान में आयोजित समारोह में राजस्थानी पगड़ी से सुशोभित श्री चटर्जी के साथ पूर्व मुख्य मंत्री ज्योति बसु तथा विधान सभा अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम

कांग्रेस की पेशकश से मुझे आश्चर्य हुआ-बसु

कोलकाता, १२ जून (न.प्र.)। पूर्व मुख्यमंत्री ज्योति बसु ने आज खुलासा किया कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा सोमनाथ चटर्जी को लोकसभा के अध्यक्ष पद की पेशकश करना पार्टी के लिए आश्चर्यजनक था। चटर्जी के अभिनन्दन समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी ने उन्हें लोकसभा में अपना नेता चुन दिया था। बहरहाल सोनिया की पेशकश के बाद हमने दोबारा पोलित ब्यरो की बैठक की जहां सभी सदस्यों ने इसे स्वीकार कर लिया। मौजूदा विकट राजनीतिक हालात में चटर्जी को अध्यक्ष पद के लिए उपयुक्त व्यक्ति करार देते हुए उन्होंने माना कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में लोकसभा अध्यक्ष का पद काफी महत्वपूर्ण है। अध्यक्ष को सभी को चाहे वह सत्ता पक्ष का हो अथवा विपक्ष का, एक दृष्टि से देखना चाहिए। खासकर विपक्षी दलों पर और ज्यादा ध्यान देना चाहिए। १३ वीं लोकसभा के दौरान चटर्जी की भूमिका की सराहना करते हुए वयोवृद्ध माकपा नेता ने कहा कि उन्होंने बिखरे विपक्ष को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि इस महत्वपूर्ण घड़ी में भी वह अपनी साख बनाये रखेंगे। बसु ने कहा कि कांग्रेस नीत गठबंधन सरकार व वामदलों के बीच तालमेल के लिए शीघ्र ही एक

सोमनाथ का हुआ नागरिक अभिनन्दन

समन्वय समिति का गठन किया जायेगा। लोकसभा के अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने बेरोजगारी दूर करने पर जोर देते हुए आज उम्मीद व्यक्त की कि भारत एक दिन विश्व में अग्रणी देश बनेगा। अपने अभिनन्दन समारोह में उन्होंने कहा कि देश में संसाधनों और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बस हमें इसके सही इस्तेमाल करने की आवश्यकता है। यह स्वीकार करते हुए कि लोकसभा के अध्यक्ष का पद चुनौती भरा है चटर्जी ने कहा कि वह सबको साथ लेकर विभिन्न समस्याओं को दूर करने की कोशिश करेंगे। ऐसे में चुनौती और बढ़ जाती है जब लोगों की अपेक्षाएं हमसे ज्यादा हों। हमें आम लोगों के प्रति जवाबदेह बनना होगा। संसदीय लोकतंत्र में सत्ता पक्ष व विपक्ष दोनों की अहम भूमिका होती है। अपने भव्य अभिनन्दन के लिए लोगों को धन्यवाद देते हुए चटर्जी ने कहा कि अभी उन्हें अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करना बाकी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा के अध्यक्ष हासिम अब्दुल हलीम ने भी लोकसभा के अध्यक्ष पद के महत्व को स्वीकार करते हुए उम्मीद व्यक्त की कि चटर्जी विपक्ष को बोलने का ज्यादा मौका देंगे। महानगर की १०१ प्रमुख सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, धार्मिक व व्यावसायिक संस्थाओं ने इस अभिनन्दन समारोह का आयोजन किया था। विभिन्न संस्थाओं ने चटर्जी को फूलों व मालाओं से लाद दिया। संदीप भूतोड़िया ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि इसे सफल बनाने में शिशिर बाजोरिया व प्रभा खेतान आदि की अहम भूमिका रही।

सन्मार्ग, 13, जून, 2004